@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

'हमें आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाना है'

वर्ष-16, अंक-06 16-31 मार्च, 2021 (पाक्षिक) ₹20

'असोल पोरिबोरतोन' के लिए तैयार पश्चिम बंगाल

वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्थल पर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 'लोक्खो सोनार बांग्ला' बुद्धिजीवी बैठक का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में संत रविदास जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

विल्लुपुरम स्थित जानकीपुरम (तमिलनाडु) में एक विशाल 'विजय संकल्प रैली' को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

बलूरघाट (पश्चिम बंगाल) में विशाल 'पोरिबोरतोन रैली' में जनाभिवादन स्वीकार करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **भारत माता के आशीर्वाद से 'सोनार बांग्ला'का संकल्प जरूर सिद्ध होगा: नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 07 मार्च, 2021 को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में विशाल 'ब्रिगेड चलो' रैली को संबोधित किया और पश्चिम बंगाल की जनता से पश्चिम बंगाल की...

09 **'विकास विरोधी ताकतों को खारिज करें और एनडीए के सुशासन के एजेंडे का समर्थन करें'**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी...

11 **पश्चिम बंगाल की जनता तृणमूल सरकार को जड़ से उखाड़कर विकास का एक नया अध्याय लिखेगी: जे.पी. नड्डा**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष...

13 **केवल भाजपा ही आत्मनिर्भर नए केरल का सपना साकार कर सकती है: अमित शाह**
भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 7 मार्च 2021...

14 **'कार्यालय हार्डवेयर और कार्यकर्ता सॉफ्टवेयर होते हैं'**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 28 फरवरी 2021...

वैचारिकी

भारतीय विचारधारा सहयोग एवं परस्परपूरकता पर आधारित 21

श्रद्धांजलि

नहीं रहे सांसद नंद कुमार सिंह चौहान 23

अन्य

कांग्रेस की गहलोत सरकार में राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय: जगत प्रकाश नड्डा 16

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रथम राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक संपन्न 17

भारत में अप्रैल से दिसंबर के दौरान आया 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर एफडीआई 18

स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत 81 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिलाएं 19

पीएसएलवी-सी51 के जरिए ब्राजील के अमेजोनिया-1, 18 अन्य उपग्रहों को किया गया प्रक्षेपित 20

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिला सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार 25

बजट में शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता क्षमताओं से जोड़ने के प्रयासों को विस्तार दिया गया: नरेन्द्र मोदी 26

छोटे किसानों का सशक्तिकरण सरकार के विजन का केन्द्र बिन्दु: नरेन्द्र मोदी 28

'मन की बात 2.0' 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आत्मनिर्भरता की पहली शर्त है– अपने देश की चीजों पर गर्व होना। जब प्रत्येक देशवासी इससे जुड़ता है, तो 'आत्मनिर्भर भारत' सिर्फ एक आर्थिक अभियान न रहकर एक नेशनल स्पिरिट बन जाता है। देशभर में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां लोग इस अभियान में अपना योगदान दे रहे हैं।

जगत प्रकाश नड्डा

संगठन की शक्ति के आधार पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा की शक्ति, उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता है जिसने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया है।

अमित शाह

महिला सशक्तिकरण सदैव मोदी सरकार की नीतियों का केंद्रबिंदु रहा है और ये गर्व की बात है कि आज हमारी मातृशक्ति आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

राजनाथ सिंह

दो साल पहले लागू की गई पीएम किसान सम्मान निधि योजना ने भारत के किसानों को संबल और आत्मबल दिया है। इस योजना से छोटे किसानों को बड़ी राहत मिली है और किसान कल्याण को सार्थक स्वरूप मिला है। इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर को धन्यवाद एवं आभार।

बी. एल. संतोष

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने एक भाजपा कार्यकर्ता की मां को बेरहमी से पीटा। इसका केवल एक ही कारण था कि वह भाजपा कार्यकर्ता की मां थी। ममता बनर्जी, यही वजह है कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने 8 चरणों में चुनाव कराने का फैसला किया है। धिक्कार है। ऐसे मामलों को लेकर सभी अराजकतावादियों को उनकी घातक चुप्पी पर शर्म नहीं आती है।

नितिन गडकरी

सड़क एवं परिवहन मंत्रालय टेक्नोलॉजी की मदद से राजमार्गों की ऑडिट और रेटिंग कर रही है। रेटिंग के आधार पर सड़क में होने वाली ग़लतियों का पता चल सकेगा और उसे सुधारा जा सकेगा। रेटिंग में लगभग 40 मापदंड हैं जिसमें सड़क की सेफ्टी पर ज़ोर दिया गया है। आईआईटी और अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र भी ट्रेनिंग के माध्यम से इसका हिस्सा बन सकेंगे।

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
होली (29 मार्च)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

पांचों प्रदेशों में भाजपा को मिल रहा जनाशीर्वाद

चुनाव आयोग द्वारा पांच प्रदेशों में चुनावों की घोषणा के साथ ही असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं केरल में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दो महीनों तक चलने वाले इस चुनाव में कई चरणों में मतदान होंगे। अब जबकि कोविड-19 महामारी का प्रभाव कम हो रहा है, लोग चुनावी प्रक्रिया में और भी अधिक उत्साह से भाग ले रहे हैं। इसका प्रमाण बिहार के चुनावों, विभिन्न प्रदेशों के उपचुनावों एवं कई स्थानीय निकायों के चुनावों में देखा गया है। आशा है इन पांच प्रदेशों के चुनावों में भी जनभागीदारी अधिक रहेगी।

हाल में हुए अनेक चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पहली पसंद होकर उभरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी पर जन-जन का भरोसा पहले से भी अधिक मजबूत हुआ है। जिस प्रकार से भारत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी का सामना किया है, वह पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा महामारी के दौर में जरूरतमंदों एवं गरीबों की सेवा राजनीतिक दल के एक नए आयाम को प्रस्तुत कर रही है। भाजपा पूरे देश में लोगों का दिल जीतने में सफल हुई है।

असम की भाजपा सरकार ने प्रदेश के पूरे राजनीतिक एवं आर्थिक परिदृश्य को व्यापक रूप से परिवर्तित कर शांति, प्रगति एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पूरे उत्तर-पूर्व एवं विशेषकर असम पर ध्यान केंद्रित करने तथा मुख्यमंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल द्वारा सरकार की योजनाओं, परियोजनाओं एवं कल्याण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन से लोगों का विश्वास भाजपा पर कई गुना अधिक बढ़ा है।

हाल में हुए अनेक चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पहली पसंद होकर उभरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी पर जन-जन का भरोसा पहले से भी अधिक मजबूत हुआ है

एक ओर जहां असम में लोग भाजपा सरकार को पुनः चुनने का मन बना चुके हैं, पश्चिम बंगाल में लोगों का भाजपा के प्रति भारी जनसमर्थन दिख रहा है। कांग्रेस, कम्युनिस्ट एवं तृणमूल कांग्रेस के लगातार विश्वासघात के कारण लोगों का इन राजनीतिक दलों से पूरी तरह मोहभंग हो चुका है और अब लोग भाजपा की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। कांग्रेस, कम्युनिस्ट एवं तृणमूल भारी लूट, भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा, तुष्टीकरण एवं प्रतिगामी राजनीति के प्रतीक बनकर रह गए हैं। भाजपा लोगों की आशा एवं विश्वास का प्रतीक बन गई है, इसका उदाहरण 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी द्वारा 18 सीटों पर विजय से मिलता है। भाजपा के प्रति जन-जन का समर्थन दिन-दूनी एवं रात-चौगुनी के रूप में बढ़ रहा है। इसमें अब कोई संदेह नहीं कि इन विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, कम्युनिस्ट एवं तृणमूल पूरी तरह से प्रदेश की राजनीति में हाशिए पर चले जाएंगे और भाजपा एक मजबूत शक्ति बनकर उभरेगी।

तमिलनाडु एवं पुडुचेरी में भाजपा अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन, जो किसी भी तरह की वैकल्पिक कार्यक्रम या योजना जनता के सामने प्रस्तुत नहीं कर पाया है, की राजनीतिक जमीन प्रदेश में पूरी तरह से खिसक चुकी है। अब जबकि अन्नाद्रमुक-भाजपा एक मजबूत गठबंधन के रूप में उभरा है, इस पर पुनः जनता भरोसा जताएगी, यह निश्चित लगता है। पुडुचेरी में कांग्रेस सरकार के गिरने के बाद अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन को प्रदेश में भारी जनसमर्थन मिल रहा है।

केरल में आत्मविश्वास से परिपूर्ण भाजपा यूडीएफ-एलडीएफ को अपने कार्यक्रम एवं नीतियों के आधार पर चुनौती दे रही है। स्थानीय निकाय चुनावों में पहले से काफी ज्यादा बढ़त बनाने के बाद भाजपा को प्रदेश में भारी जनसमर्थन मिल रहा है और 'मैट्रोमैन' ई. श्रीधरन जैसे व्यक्तित्व भाजपा में शामिल हुए हैं। केरल में भाजपा के पक्ष में चैंकाने वाले परिणाम आएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की जनसभाओं में भारी जनसमर्थन दिखाई पड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिगेड ग्राउंड, कोलकाता में हुई विशाल जनसभा से यह स्पष्ट है कि जनता अब 'आसोल पोरिबर्तन' का मन बना चुकी है। भाजपा कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा में समर्पित सेवा कार्यों के लिए पूरे देश से भरपूर जनाशीर्वाद मिल रहा है। इन पांच प्रदेशों में भी जनता भाजपा को अपना आशीर्वाद देने को तैयार है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

भारत माता के आशीर्वाद से 'सोनार बांग्ला'का संकल्प जरूर सि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 07 मार्च, 2021 को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में विशाल 'ब्रिगेड चलो' रैली को संबोधित किया और पश्चिम बंगाल की जनता से पश्चिम बंगाल की गौरवशाली संस्कृति को पुनर्प्रतिष्ठित करने और विकास की गति को रफ़्तार देते हेतु विकास के प्रति समर्पित भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत सरकार बनाने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने 'परिवर्तन' के लिए ही ममता दीदी पर भरोसा किया था लेकिन दीदी और उनके काडर ने बंगाल की जनता का ये भरोसा तोड़ दिया। इन लोगों ने पश्चिम बंगाल के विश्वास को तोड़ा, प्रदेश की जनता को अपमानित किया और यहां की बहन-बेटियों पर अत्याचार किया। इस बार के विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में एक ओर तृणमूल कांग्रेस है, लेफ्ट-कांग्रेस है, उनका बंगाल विरोधी रवैया है और दूसरी ओर खुद पश्चिम बंगाल की जनता कमर कसकर खड़ी हो गई है। भारत माता के आशीर्वाद से 'सोनार बांग्ला' का संकल्प जरूर सिद्ध होगा। यहां आये एक-एक व्यक्ति, हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, युवा - आज पश्चिम बंगाल में 'असोल पोरिबोरतोन' के लिए आये हैं। मैं इस ऐतिहासिक ब्रिगेड ग्राउंड से आपको इस 'असोल पोरिबोरतोन' का विश्वास दिलाने आया हूं–

- विश्वास, बंगाल के विकास का।
- विश्वास, बंगाल में स्थितियों के बदलने का।
- विश्वास, बंगाल में निवेश एवं उद्योग बढ़ने का।
- विश्वास, बंगाल के पुनर्निर्माण का।
- विश्वास, बंगाल की संस्कृति और यहां की परंपराओं की रक्षा का।

श्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बनने वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार की नीतियों एवं निर्णयों में पश्चिम बंगाल की जनता का हित सदैव सर्वोपरि होगा। 'असोल पोरिबोरतोन' का मंत्र ही उस सरकार की प्रेरणा होगा, उसके परिश्रम का आधार होगा।

असोल पोरिबोरतोन मतलब :

- ऐसा बंगाल जहां युवाओं को शिक्षा और रोज़गार के पर्याप्त अवसर मिलें।
- ऐसा बंगाल जहां लोगों को पलायन करने पर मजबूर न होना पड़े।
- ऐसा बंगाल जहां व्यापार और कारोबार फले-फूलें, जहां ज्यादा से ज्यादा निवेश आए।
- ऐसा बंगाल जहां 21वीं सदी का आधुनिक इन्फ्रॉस्ट्रक्चर हो।
- ऐसा बंगाल जहां गरीब से गरीब को भी आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिले।

सिद्ध होगा: नरेन्द्र मोदी

- ऐसा बंगाल जहां हर क्षेत्र, हर वर्ग की विकास में बराबर की भागीदारी होगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज बंगाल में मां, माटी, मानुष की क्या स्थिति है, ये पश्चिम बंगाल की जनता भलीभांति जानती है। मां पर गली-गली में हमले होते हैं, घर में घुसकर हमले होते हैं। अभी हाल में जो अस्सी साल की बूढ़ी मां के साथ हुआ है, जो निर्ममता दिखाई गई है, उसने इन लोगों का क्रूर चेहरा पूरे देश को दिखा दिया है। माटी की बात करने वालों ने बंगाल का कण-कण, तिनका-तिनका, बिचौलियों, कालाबाज़ारी करने वालों और सिंडिकेट के हवाले कर दिया। आज पश्चिम बंगाल का मानुष परेशान है। वे अपनी आंखों के सामने अपनों का खून बहता देखने को विवश हो रहे हैं। वे अपनों को अपनी आंखों से सामने लुटते देख रहे हैं। वे अपनों को इलाज के अभाव में दम तोड़ते देख रहे हैं। वे अवसरों के अभाव में अपनों को पलायन करते देख रहे हैं। अब पूरा पश्चिम बंगाल अब एक स्वर में कह रहा है— और नोई अन्याय।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जल जीवन मिशन इसलिए जरूरी है क्योंकि यहां आज भी डेढ़ करोड़ से ज्यादा घरों में नल से पानी नहीं आता। पश्चिम बंगाल में जल जीवन मिशन इसलिए जरूरी है क्योंकि अनेक जिलों में आर्सेनिक युक्त पानी बच्चों का जीवन तबाह कर रहा है, सभी को बीमार कर रहा है। क्या गरीब की चिंता करना, उसकी सेवा करना हमारा कर्तव्य नहीं है? या हम इस पर भी राजनीति करेंगे? लेकिन अफसोस, तृणमूल कांग्रेस सरकार यही कर रही है। हर घर जल पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार जो पैसे भेज रही है, उसका बहुत बड़ा हिस्सा आज तक यहां की सरकार खर्च ही नहीं कर पाई है।

मिथुन दा भाजपा में शामिल

बॉलीवुड अभिनेता श्री मिथुन चक्रवर्ती, जिनके लाखों प्रशंसक हैं और जिन्होंने अपने अभिनय के दम पर लोगों का दिल जीता है, वह 07 मार्च, 2021 को कोलकाता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिगेड परेड ग्राउंड में विशाल जनसभा से पहले भाजपा में शामिल हुए। श्री चक्रवर्ती का भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी श्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री दिलीप घोष सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया।

रैली के दौरान श्री मिथुन चक्रवर्ती ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में स्वागत किया और श्री मोदी ने पार्टी के झंडे के साथ श्री चक्रवर्ती का भाजपा में स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "आज हमारे साथ बांगला छेले (बंगाल का बेटा), मिथुन चक्रवर्ती हैं। उनका जीवन और संघर्ष सभी के लिए प्रेरणा है।" इस अवसर पर अभिनेता ने यह भी कहा कि उन्हें बंगाली होने पर गर्व है। "मैं हमेशा जीवन में कुछ बड़ा करना चाहता था, लेकिन कभी भी इतनी बड़ी रैली का हिस्सा बनने का सपना नहीं देखा था, जिसे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित किया जाएगा। मैं समाज के गरीब वर्ग के लिए काम करना चाहता था और मेरी वह इच्छा अब पूरी होगी।"

श्री मोदी ने कहा कि आजकल तो हमारे विरोधी भी कहते हैं कि मैं दोस्तों के लिए काम करता हूं। मैं भी पश्चिम बंगाल के अपने दोस्तों के लिए काम कर रहा हूं। मैंने अपने दोस्तों को बंगाल में लगभग 90 लाख गैस कनेक्शन दिए हैं। मैंने अंधेरे में जी रहे अपने बंगाल के सात लाख से अधिक दोस्तों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया है। मैंने अपने दोस्तों के लिए बंगाल में 60 लाख से ज्यादा शौचालय, इज्जत घर बनवाए हैं। मैंने अपने दोस्तों के लिए बंगाल में 32 लाख से अधिक पक्के घर स्वीकृत किए हैं। दलित, पिछड़े, पीड़ित, शोषित, वंचित, सभी दोस्तों को इन योजनाओं का लाभ मिला है। बंगाल के चायवाले, यहां के टी गार्डन्स में काम करने वाले हमारे भाई-बहन तो मेरे विशेष दोस्त हैं। मेरे ऐसे कामों से उनकी भी अनेक परेशानियां कम हो रही हैं। हमारी सरकार के प्रयासों से मेरे इन चायवाले दोस्तों को सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स का भी लाभ मिलना तय हुआ है। कोरोना ने पूरी दुनिया में सबको परेशान किया लेकिन मेरे ये गरीब दोस्त ही थे, जो बहुत परेशान हुए। जब कोरोना आया तो मैंने अपने हर दोस्त को मुफ्त में राशन दिया, मुफ्त गैस सिलेंडर दिया और करोड़ों रुपए बैंक खाते में जमा करवाए। दुनिया में कोरोना वैक्सीन इतनी महंगी है, लेकिन मैंने अपने दोस्तों के लिए सरकारी अस्पताल में मुफ्त में टीका लगाने का प्रबंध किया। मेरे आप सभी दोस्त बताइए, दोस्ती चलेगी या तोलाबाज़ी? बहनों और भाइयों, आपके इसी जोश से दीदी और उनके साथियों की नींद उड़ी हुई है। तभी तो ये लोग कह रहे हैं कि इस बार—खेला होबे।

उन्होंने कहा कि टोलाबाजी, सिंडिकेट, कमीशन कट—तृणमूल कांग्रेस सरकार ने इतने घोटाले किये हैं कि अपने आप में करप्शन ओलंपिक्स का खेल आयोजित हो जाए! तृणमूल कांग्रेस सरकार ने लोगों की मेहनत की कमाई से, लोगों की जिंदगियों से खेला है। चाय बागानों को ताला लगा दिया, राज्य को क़र्ज़ में डुबो दिया। यहां भर्ती परीक्षाओं में किस तरह का खेल होता है, छोटी-छोटी लिस्ट रिलीज होती है, लिस्ट रिलीज करने से पहले किस घर में जाकर मंजूरी ली जाती है, कौन से खास लोगों का चयन होता है, ये किसी से छिपा नहीं है। अब ये नहीं चलेगा, अब ये खेल नहीं चलेगा।

श्री मोदी ने कहा कि गुस्से में मुझे भी क्या-क्या कहा जा रहा है-कभी रावण कहा जा रहा है, कभी दानव कहते हैं, कभी दैत्य, तो कभी गुंडा...दीदी, इतना गुस्सा क्यों? दीदी को मैं बरसों से जानता हूं। ये वो दीदी नहीं है, जिन्होंने वामपंथ के अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाई थी। दीदी पर अब उनका अपना भी बस नहीं है। दीदी का रिमोट कंट्रोल अब कहीं और है! इसलिए वे ऐसी बातें कर रही हैं, जो पश्चिम बंगाल की मूल सोच के विरुद्ध है, पश्चिम बंगाल की परंपरा के विरुद्ध है। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के मूल में ही बंगाली चिंतन है–

- भारतीय जनता पार्टी वह पार्टी है जिसकी स्थापना की प्रेरणा बंगाल के महान सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं।
- भाजपा वह पार्टी है जिसके विचारों में बंगाल की महक है।
- भाजपा वह पार्टी है जिसके डीएनए में बंगाल का सूत्र है।
- भाजपा वह पार्टी है जिस पर बंगाल का अधिकार है।
- भाजपा वह पार्टी है जिस पर बंगाल का कर्ज है। भारतीय जनता पार्टी ये कर्ज कभी चुका नहीं सकती, लेकिन बंगाल की माटी का तिलक लगाकर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाना चाहती है।

• माटी की बात करने वालों ने बंगाल का कण-कण, तिनका-तिनका, बिचौलियों, कालाबाज़ारी करने वालों और सिंडिकेट के हवाले कर दिया

श्री मोदी ने कहा कि कमल के फूल में बंगाल की मिट्टी की खुशबू है इसलिए ही कहा जा रहा है-लोकसभा में टीएमसी हाफ और इस बार विधानसभा चुनाव में पूरी साफ। पश्चिम बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं से भी मैं कहूंगा- मैं आपके तप, आपके त्याग और आपके बलिदान के सामने शीश झुकाता हूं। भाजपा के हर कार्यकर्ता के परिवार को, पश्चिम बंगाल में अन्याय का शिकार हुए हर व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। आपके हर प्रयास में मैं आपके साथ हूं। आप पूरे जोश और जुनून के साथ एक-एक मतदाता तक पहुंचिए। लोकसभा चुनाव में आपने- चुपचाप कमल छाप से कमाल किया। अपने एक वोट की ताकत आपने जम्मू-कश्मीर से लेकर अयोध्या तक देखी है। इस बार आपको जोर से छाप, टीएमसी साफ के इरादे से आगे बढ़ना है। ■

'विकास विरोधी ताकतों को खारिज करें और एनडीए के सुशासन के एजेंडे का समर्थन करें'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी, 2021 को पुडुचेरी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "कुछ समय पूर्व ही बड़ी संख्या में यहां विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया है। ये विकास कार्य सड़क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति, खेल और समुद्री अर्थव्यवस्था से संबंधित हैं। इन विकास कार्यों का प्रभाव बहुत व्यापक होने जा रहा है।"

उन्होंने आगे कहा कि पुडुचेरी के लोगों के बीच आज एक खुशनुमा माहौल नजर आता है। यह खुशी दो कारणों से हैः पहला, आज कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और दूसरा यह कि पुडुचेरी के लोगों को कांग्रेस के कुशासन से भी आजादी मिली हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "2016 के चुनावों के बाद पुडुचेरी को जनता की सरकार नहीं मिली। उन्हें एक ऐसी सरकार मिली जो दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान की सेवा में व्यस्त थी। उस सरकार की प्राथमिकताएं बहुत अलग थीं। यहां के पूर्व मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के शीर्ष नेताओं की चप्पल उठाने में एक विशेषज्ञ के तौर पर नजर आते हैं। लेकिन, जनता की गरीबी दूर करने में उनकी दिलचस्पी नहीं थी।"

• पुडुचेरी में हाईकमान की संस्कृति वाली कांग्रेस सरकार ने शासन के हर मापदंड को धराशायी किया है। पारंपरिक मिलें बंद हो गईं। स्थानीय व्यापारी परेशान है। कांग्रेस लोगों के लिए काम करने में विश्वास नहीं करती है

जनता से एनडीए को वोट देने का आग्रह करते हुए श्री मोदी कहा कि पुडुचेरी को एक ऐसी सरकार की आवश्यकता है, जिसका हाईकमान पुडुचेरी के लोग हो, न कि दिल्ली में बैठे कांग्रेस पार्टी के नेताओं का एक छोटा सा समूह, और मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि पुडुचेरी में एनडीए की अगली सरकार लोगों द्वारा संचालित सरकार होगी।

उन्होंने कहा, "पुडुचेरी में हाईकमान की संस्कृति वाली कांग्रेस सरकार ने शासन के हर मापदंड को धराशायी किया है। पारंपरिक मिलें बंद हो गईं। स्थानीय व्यापारी परेशान है। कांग्रेस लोगों के लिए काम करने में विश्वास नहीं करती है।"

जनता के साथ एक घटना को साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "कुछ दिनों पहले पूरे देश ने एक वीडियो देखा। एक असहाय महिला चक्रवात और बाढ़ के दौरान पुडुचेरी सरकार और मुख्यमंत्री की उपेक्षा की शिकायत कर रही थी। उसकी आंखों में दर्द साफ देखा जा सकता था। उसकी आवाज में भी उसका दर्द झलक रहा था, लेकिन पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्र को सच्चाई बताने के बजाय महिला के शब्दों का गलत अनुवाद किया। उन्होंने लोगों और अपने ही नेता से झूठ बोला। क्या ऐसी पार्टी जिसकी संस्कृति झूठ पर आधारित है, कभी लोगों की सेवा कर सकती है?"

पुडुचेरी में चुनाव नहीं कराने के लिए कांग्रेस पार्टी को फटकार लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "कांग्रेस दूसरों को अलोकतांत्रिक कहने का कोई अवसर नहीं छोड़ती है। लेकिन, इस पार्टी को खुद को आइना में देखने की जरूरत है। वे हर संभव तरीके से लोकतंत्र का अपमान करती हैं। इसी पार्टी ने पुडुचेरी में पंचायत चुनाव कराने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव होने चाहिए। लेकिन फिर भी पुडुचेरी में कांग्रेस की सरकार ने ऐसा नहीं किया। ■

विशाल जनसभा, कोयम्बटूर तमिलनाडु

• केंद्र और तमिलनाडु सरकार ने जिस तरह से काम किया है, वह सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हमने तमिलनाडु के लोगों के उत्थान के लिए मिलकर काम किया है

डीएमके-कांग्रेस की राजनीतिक शैली गुंडई और उत्पीड़न पर आधारित है: नरेन्द्र मोदी

तमिलनाडु के कोयम्बटूर में 25 फरवरी, 2021 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "इस साल तमिलनाडु की जनता एक नई सरकार का चुनाव करेगी। यह विधानसभा चुनाव भारतीय इतिहास के एक महत्वपूर्ण क्षण में हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत के लोगों ने एक मजबूत संदेश दिया है, जिसमें भारत के लोगों ने इस बात को स्वीकार किया है कि वह अब एक विकासोन्मुख शासन चाहते हैं।"

सहकारी संघवाद पर बात करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "केंद्र और तमिलनाडु सरकार ने जिस तरह से काम किया है, वह सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हमने तमिलनाडु के लोगों के उत्थान के लिए मिलकर काम किया है।" प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा लागू की गयी विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत सरकार ने एमएसएमई की मदद के लिए कई उपाय किए हैं। उदाहरण के तौर पर भारत सरकार इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी योजना लेकर आयी। हम अपना ध्यान वस्त्र निर्माण उद्योग पर भी केन्द्रित कर रहे हैं। पिछले सात वर्षों में भारत सरकार ने वस्त्र उद्योग के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण का काम भी किया है।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले 7 वर्षों में छोटे किसानों के लिए हमारे प्रयासों का उद्देश्य उन्हें समृद्धि बनाना और उनको एक गरिमापूर्ण जीवन देना है। किसान क्रेडिट कार्ड से लेकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड तक, ई-नाम से लेकर एक प्रभावी फसल बीमा योजना तक, हम कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, "पीएम-किसान योजना को अभी दो साल पूरे हुए है। इस योजना से 11 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं। कई वर्षों तक हमारे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की मांग करते रहे, लेकिन यह हमारी सरकार थी जिसने समग्र एमएसपी में वृद्धि करने का काम किया।"

विपक्ष पर तीखे हमले करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "विपक्ष की राजनीतिक शैली गुंडई और उत्पीड़न पर आधारित है। जब भी डीएमके सत्ता में आती है तो वह इस संस्कृति को बढ़ावा देती हैं।'' इसके शासन में हर जिले में कुछ असामाजिक तत्व होते हैं जो निर्दोष नागरिकों को परेशान करते हैं। आज, राष्ट्र राजनीति की दो विशिष्ट शैलियों को देख रहा है, जिसमें एक ओर भ्रष्टाचार के साथ विपक्ष का कुशासन है और दूसरी ओर करुणा के साथ एनडीए का सुशासन है।"

तमिलनाडु के नागरिकों को सचेत करते हुए श्री मोदी ने कहा कि डीएमके और कांग्रेस की बैठकें भ्रष्टाचार हैकथॉन की तरह थीं। उनके नेता बैठते हैं और मंथन करते हैं कि कैसे जनता को लूटा जाए। दोनों ही पार्टियों ने अपने-अपने परिवारों को तरजीह देते हुए नेताओं को लॉन्च किया है, लेकिन ये उसमें नाकाम रहे है। यहां लगातार एक पारिवारिक नाटक चल रहा था।

रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "डीएमके ने कई वर्षों तक तमिलनाडु पर शासन किया है। कांग्रेस भी कई सालों तक केंद्र की सत्ता में रही। फिर भी, इन दोनों दलों ने देवेंद्र कुल्लू वेल्लार समुदाय की मांगों के बारे में विचार नहीं किया।" यह तमिलनाडु में एआईएडीएमके सरकार और केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार थी, जिसने लंबे समय से चली आ रही इस मांग को माना। ■

पश्चिम बंगाल की जनता तृणमूल सरकार को जड़ से उखाड़कर विकास का एक नया अध्याय लिखेगी: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 फरवरी, 2021 को कोलकाता पश्चिम बंगाल में 'सोनार बांग्ला' के निर्माण हेतु भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र तैयार करने संबंधी अभियान 'लोक्खो सोनार बांग्ला मेनिफेस्टो क्राउडसोर्सिंग' मिशन की शुरुआत की। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप घोष, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी श्री कैलाश विजयवर्गीय, सह-प्रभारी श्री अमित मालवीय, सह-प्रभारी श्री अरविंद मेनन और पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रवक्ता श्री समिक भट्टाचार्य उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि हम 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणापत्र के निर्माण में पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता का सहयोग लेते हुए आगे बढ़ने का निश्चय किया है। इसी क्रम में आज एक और कदम उठाते हुए 'लोक्खो सोनार बांग्ला' लक्ष्य के साथ हम चले हैं। हम चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल की जनता आगे बढ़कर सोनार बांग्ला बनाने में अपना योगदान दें। हम पश्चिम बंगाल की जनता के सुझावों के आधार पर अपना घोषणापत्र बनायेंगे। इसके लिए हम पश्चिम बंगाल के लगभग 2 करोड़ से अधिक लोगों तक अपने कैंपेन को लेकर जाएंगे और अपने घोषणापत्र को लेकर उनसे सुझाव मांगेंगे। हम पूरे राज्य में करीब 30,000 सुझाव पेटियां रखेंगे। प्रदेश की सभी 294 विधानसभा सीटों में से प्रत्येक में करीब 100 सुझाव पेटियां रखी जायेंगी। उन्होंने कहा कि 50 सुझाव पेटियां लेकर हमारे कार्यकर्ता प्रदेश के घर-घर जाएंगे, जबकि 50 अन्य सुझाव पेटियों को प्रमुख स्थानों पर रखा जाएगा। इसके माध्यम से पश्चिम बंगाल की जनता हमारे घोषणापत्र को लेकर अपने सुझाव दे सकेंगे। इन्हें ध्यान में रखते हुए ही हम पश्चिम बंगाल के लिए अपना घोषणापत्र तैयार करेंगे। पार्टी का यह अभियान पूरे पश्चिम बंगाल में 3 से 20 मार्च, 2021 तक चलेगा। हर विधानसभा सीट को इस अभियान के तहत कवर किया जाएगा।

> • हम 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणापत्र के निर्माण में पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता का सहयोग लेते हुए आगे बढ़ने का निश्चय किया है

उन्होंने कहा कि आज 'लोक्खो सोनार बांग्ला' अभियान के तहत डिजिटल एलईडी रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जा रहा है। सभी 294 विधानसभाओं में से प्रत्येक विधानसभा के लिए एक-एक एलईडी रथ की व्यवस्था की गई है जिसमें लोग अपने-अपने सुझाव डिजिटली दे सकते हैं। पश्चिम बंगाल के नागरिक 9727294294 मोबाइल नंबर पर मिस्ड कॉल देकर भी अपने सुझाव रजिस्टर कर सकते हैं। इसी नंबर पर व्हाट्सएप के जरिए भी लोग हम तक सुझाव पहुंचा सकते हैं। साथ ही, इस अभियान के प्रति समर्पित हमारे वेबसाईट www.lokkhosonarbangla.com पर भी

लॉग-इन कर के 'सोनार बांग्ला' के निर्माण के लिए सुझाव दिए जा सकते हैं।

परिवर्तन यात्रा समापन समारोह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आनंदपुरी खेलार मठ (बैरकपुर), पश्चिम बंगाल में नबद्वीप जोन की परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित विशाल सभा को संबोधित किया और पश्चिम बंगाल की गरीब एवं किसान विरोधी तृणमूल सरकार पर जमकर प्रहार किया। इससे पहले आज वे नैहाटी स्थित महान विभूति ऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी के पैतृक आवास और संग्रहालय गए और उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ऋषिवर बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के पश्चात् श्री नड्डा आरबीसी कॉलेज रोड, नैहाटी से लगभग तीन किलोमीटर दूर वार्ड नंबर 14, गौरीपुर गए जहां उन्होंने जूट मिल मजदूर के घर दोपहर का भोजन किया।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता के लिए कोविड वैक्सीनेशन की व्यवस्था तो की है, लेकिन अभी और भी बहुत सारे टीके पश्चिम बंगाल की जनता के लिए लगने वाला है जैसे आयुष्मान भारत और कृषि सम्मान निधि को लागू कराने का टीका, टोलाबाजी के विरुद्ध टीका, चावल चोर और तिरपाल चोर के खिलाफ टीका, कट मनी के विरुद्ध टीका और तृणमूल सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ टीका। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीकाकरण तो टोलाबाजी, चावल चोर, तिरपाल चोर, कट मनी और तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ होने वाला है। मई महीने में बंगाल की जनता तृणमूल सरकार को जड़ से उखाड़कर विकास का एक नया अध्याय लिखेगी।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पश्चिम बंगाल को विकास के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ाया है। पश्चिम बंगाल में ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर के निर्माण के लिए 8,575 करोड़ रुपये की राशि केंद्र सरकार द्वारा दी गई है। नेपाल, भारत और बांग्लादेश को सड़क से जोड़ने के लिए 721 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के लिए हल्दिया में 4,700 करोड़ रुपये और हुगली से 3,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को शुरू किया है। कोलकाता से सिलीगुड़ी तक के मार्ग के निर्माण के लिए 25,000 करोड़ रुपये इस बार के बजट में आवंटित किये गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा खड़गपुर से लेकर विजयवाड़ा के लिए ईस्ट कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है और भुसावल से खड़कपुर और धनकुनी तक ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। राज्य में हावड़ा, मधुग्राम और न्यूटाउन में तीन सोलर पावर प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी गई है। पश्चिम बंगाल के लगभग 21 लाख लोगों को केंद्र सरकार की सामाजिक पेंशन योजना का लाभ मिला है। साथ ही, लगभग 30 लाख कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को कोरोना काल में डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है।

बुद्धिजीवी वर्ग सम्मेलन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कोलकाता, पश्चिम बंगाल में भाजपा के 'लोक्खो सोनार बांग्ला' अभियान के तहत बुद्धिजीवी वर्ग के एक सम्मेलन को संबोधित किया और प्रबुद्ध जनों से सोनार बांग्ला के निर्माण के भाजपा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सहयोग का आह्वान किया। इससे पहले श्री नड्डा ने आनंदपुरी कालीबाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वे बंगाली साहित्य के कालजयी साहित्यकार श्रद्धेय बिभूतिभूषण बंदोपाध्याय जी के पैतृक गृह भी गए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आज पश्चिम बंगाल स्टेट आर्म्ड पुलिस हेडक्वार्टर्स में अमर स्वतंत्रता सेनानी शहीद मंगल पांडे स्तंभ पर श्रद्धा-सुमन भी अर्पित किये।

• जो पश्चिम बंगाल अपनी संस्कृति, अस्मिता, कला, साहित्य और अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ के रूप में जाना जाता था, आज वह इन सभी क्षेत्रों में कहीं पीछे हो गया है

श्री नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में देश और दुनिया को रास्ता दिखाने का और नेतृत्व करने का सामर्थ्य है लेकिन यहां अंधकार भी दिखाई देता है कि इस प्रदेश की सत्ता में 30-40 साल तक शासन करने वाले लोगों ने पश्चिम बंगाल को विकास की दौड़ में पीछे धकेल दिया। जो पश्चिम बंगाल अपनी संस्कृति, अस्मिता, कला, साहित्य और अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ के रूप में जाना जाता था, आज वह इन सभी क्षेत्रों में कहीं पीछे हो गया है क्योंकि पश्चिम बंगाल की सरकारों ने पश्चिम बंगाल के पोटेंशियल को जाया कर दिया। श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दिल्ली से पश्चिम बंगाल में विकास को गति देने की एक सार्थक पहल शुरू हुई चाहे वह ईस्ट कॉरिडोर का निर्माण हो, ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर हो, तीन सोलर प्रोजेक्ट्स हो, राजमार्गों का निर्माण हो या फिर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा फरवरी माह में पश्चिम बंगाल में 7,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ। इतना ही नहीं, चाय बागानों में काम करने वाली महिला वर्कर्स के कल्याण के लिए भी इस बार के आम बजट में 1,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। ■

केवल भाजपा ही आत्मनिर्भर नए केरल का सपना साकार कर सकती है: अमित शाह

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 7 मार्च 2021 को तिरुवनंतपुरम में केरल विजय यात्रा के अवसर पर एक जनसभा को संबोधित किया और आत्मनिर्भर नए केरल निर्माण का आह्वान किया।

श्री शाह ने मेट्रोमैन ई श्रीधरन की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का पूरी पारदर्शिता के साथ निश्चित अवधि में पूरा करने का काम मेट्रो मैन ई श्रीधरन ने किया। देश में मेट्रो सेवा निर्माण में ई श्रीधरन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। लेकिन इससे भी ज्यादा इनका महत्वपूर्ण काम कोंकण रेलवे को निर्धारित समय पर पूरा करना है। कोंकण रेलवे के विकास के कारण दक्षिण भारत देश के बाकी हिस्सों से जुड़ा जिससे देश के सबसे अविकसित क्षेत्र तक विकास पहुंच पाया। श्रीधरन जी ने इस यात्रा में अहम भूमिका निभाई है। बुनियादी ढांचे के विकासकर्ता, हमारे मेट्रो मैन ने भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्र के विकास के लिए चुना है!

श्री शाह ने कहा कि जब यूडीएफ आता है, तो यह सौर घोटाला करता है। जब एलडीएफ आता है, तो वह डॉलर घोटाला करता है। वे दोनों प्रतिस्पर्धा में हैं कि वे कितने भ्रष्ट हो सकते हैं! मैं केरल के मुख्यमंत्री से कुछ सवाल पूछना चाहता हूं, जिसका उन्हें सार्वजनिक रूप से जवाब देना चाहिए–

- क्या आपके कार्यालय में डॉलर और सोने की तस्करी मामले में मुख्य आरोपी आपके अधीन थे?
- क्या आपके विभाग/सरकार ने उन्हें 3 लाख रुपये मासिक वेतन दिया था?
- आपके प्रधान सचिव ने मुख्य अभियुक्तों की मदद की या नहीं?
- क्या आप और आपके प्रधान सचिव इस महिला को विदेश यात्रा पर सरकार की लागत पर ले गए थे?
- यह आरोपी महिला लगातार सीएम के आवास पर क्यों आई? क्या हो रहा था?
- तस्करी का सोना पाए जाने पर क्या सीएम ऑफिस ने कस्टम पर दबाव डाला? यदि हां, तो क्यों?
- क्या आपने ईडी और सीमा शुल्क अधिकारियों पर हमले की विस्तार से जांच की?
- एक महत्वपूर्ण व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। क्या उसकी जांच पूरी हुई?

केरल के लोग इन सभी सवालों के जवाब जानना चाहते हैं!

श्री शाह ने कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ केरल को कभी आगे नहीं ले जा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवल भारतीय जनता पार्टी ही आत्मनिर्भर नए केरल का सपना साकार कर सकती है। ■

'कार्यालय हार्डवेयर और कार्यकर्ता सॉफ्टवेयर होते हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 28 फरवरी 2021 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में पार्टी के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पार्टी के प्रयागराज महानगर कार्यालय का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कार्यालय को पार्टी कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने का केंद्र बताया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी श्री राधा मोहन सिंह, उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, केंद्र सरकार में मंत्री श्री महेन्द्रनाथ पांडेय, सह-प्रभारी श्री सुनील ओझा, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री सुनील बंसल एवं कई अन्य वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

- **भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक व्यक्तित्व को निखारने का केंद्र होते हैं**

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री चुने जाने के तुरंत बाद आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मंत्र देते हुए देश के कोने-कोने में पार्टी के विस्तार हेतु देश के हर जिले में अपना पार्टी कार्यालय होने की इच्छा व्यक्त की थी। जब उन्होंने इस लक्ष्य को संगठन के सामने रखा तो तब के पार्टी अध्यक्ष और वर्तमान में देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह ने देश में लगभग सभी जिलों में 700 कार्यालयों के निर्माण का बीड़ा उठाया। आज मुझे कहते हुए आनंद की अनुभूति हो रही है कि देश में केंद्रीय कार्यालय सहित अब तक लगभग 400 कार्यालय बन गए हैं। उत्तर प्रदेश में भी पार्टी के 80 कार्यालयों का निर्माण होना था जिसमें से 51 कार्यालय का निर्माण पूरा हो गया था। आज काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय और प्रयागराज महानगर कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही प्रदेश में 53 कार्यालय बनकर तैयार हैं और इसी वर्ष अक्टूबर माह तक सभी 80 कार्यालय बनकर तैयार हो जायेंगे।

श्री नड्डा ने कहा कि उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक व्यक्तित्व को निखारने का केंद्र होते हैं। कार्यालय हार्डवेयर और कार्यकर्ता सॉफ्टवेयर होते हैं। मुझे विश्वास है कि ये कार्यालय पार्टी की नींव को प्रदेश में और मजबूत करने में सहायक होंगे। किसी भी पार्टी को सुचारू रूप से चलाने के लिए कार्यकर्ता, कार्यक्रम, कार्यकारिणी, कोष और इसे संचालित करने के लिए कार्यालय। मैं आज इन दोनों कार्यालयों के शिलान्यास अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं।

श्री नड्डा ने कहा कि 80 के दशक में लोग हमसे हमारा इकॉनोमिक मॉडल पूछा करते थे। उस समय हम गर्व से एकात्म

मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांत की बात करते थे जो हमारे मनीषी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने प्रतिपादित किया था। इसके बाद से लेकर अब तक हमारी पार्टी की सभी सरकारों के लिए ये सिद्धांत मूलमंत्र रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अंत्योदय को अपनी योजनाओं का केंद्र बनाते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सिद्धांत को सरकार की कार्यसंस्कृति का आधार बनाया।

श्री नड्डा ने कहा कि अब प्रधानमंत्री जी ने 'आत्मनिर्भर अभियान' और 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र दिया है। मुझे खुशी है कि योगी आदित्यनाथ जी ने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' का अभियान शुरू किया है जो आत्मनिर्भर भारत अभियान के संकल्प को पूरा करने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। हमें आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाना है।

सामाजिक नेताओं के साथ संवाद

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 28 फरवरी, 2021 को चौधरी लॉन, नरिया, बीएचयू (वाराणसी) में विभिन्न वर्गों के सामाजिक नेताओं के साथ संवाद किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास के परिवर्तन को रेखांकित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की कार्यसंस्कृति की चर्चा की।

• योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति में काफी सकारात्मक बदलाव आया है

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह की कुशल रणनीति के बल पर धारा 370 धाराशायी हुआ। कांग्रेस ने माहौल को बिगाड़ने की भरपूर कोशिश की, गुपकर ने भी मिलकर चुनाव लड़ा लेकिन जम्मू-कश्मीर में पहली बार हुए डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट काउंसिल के चुनाव में भाजपा न केवल सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, बल्कि सबसे ज्यादा वोट भी भाजपा को ही मिला। ये मोदी सरकार है जिसके अथक प्रयासों से अयोध्या में भगवान् श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बनने का सपना साकार हो रहा है, जबकि कांग्रेस की सरकार ने तो भगवान् श्री राम पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए थे। मुस्लिम बहनों को ट्रिपल तलाक के अभिशाप से भी आजादी मिली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था में कोई फेर-बदल किये बगैर आर्थिक आधार पर देश के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया।

श्री नड्डा ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत देशभर में जहां 11 करोड़ टॉयलेट्स बने, वहीं उत्तर प्रदेश में लगभग 2 करोड़ टॉयलेट्स का निर्माण हुआ। यह केवल इज्जत घर नहीं बल्कि मातृशक्ति के सशक्तिकरण के माध्यम हैं। कांग्रेस ने जन-धन योजना का भी मजाक उड़ाया था, लेकिन इंदिरा गांधी जी ने 1971-72 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण करते हुए यह कहा था किससे गरीबों के लिए बैंक के दरवाजे खुलेंगे, लेकिन 2014 तक देशभर में केवल पौने तीन करोड़ बैंक अकाउंट ही खुले थे। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में 50 करोड़ खाताधारक हैं जिसमें से लगभग 41 करोड़ जनधन खाते हैं। इन 41 करोड़ जनधन खातों में से 7 करोड़ अकाउंट अकेले उत्तर प्रदेश में खुले हैं। इसी तरह उज्ज्वला योजना में भी जहां देश के 8 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन मिले वहीं उत्तर प्रदेश में 1.47 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए। प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 1.28 करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब तक देश के लगभग 9 करोड़ किसानों के अकाउंट में 1.13 लाख करोड़ की राशि पहुंचाई जा चुकी है।

श्री नड्डा ने बुद्धिजीवियों का आह्वान करते हुए कहा कि उजाले की इज्जत तभी होती है जब अंधेरे की पहचान होती है। आज 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत देश के करोड़ों गरीब लोगों का कल्याण हो रहा है। उज्ज्वला, उजाला, सौभाग्य आदि योजनाओं से महिला सशक्तिकरण के काम हो रहे हैं। वाराणसी में संत रविदास जी के नाम पर बहुत बड़ा उद्यान बन रहा है। पिछले अक्टूबर से लेकर अब तक में वाराणसी में प्रधानमंत्रीजी ने 10,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को शुरू किया है। सारे उत्तर प्रदेश में विकास की ऐसी ही गाथा लिखी जा रही है। गोरखपुर में एम्स बन रहा है। विगत छह वर्षों में ही तीस नए मेडिकल कॉलेज खोलने की शुरुआत हुई है। आज पूरा उत्तर प्रदेश बदलती हुई विकास की तस्वीर देख रहा है। योगी आदित्यनाथ जी के सुशासन की बदौलत अब अपराधी छुपने के लिए बिल ढूढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के शासन में विकास की कहानी के साथ साथ उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन आया है। आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति में काफी सकारात्मक बदलाव आया है। ■

कांग्रेस की गहलोत सरकार में राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 02 मार्च 2021 को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम के 'भैरोंसिंह शेखावत सभागार' में आयोजित राजस्थान प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक का उद्घाटन किया और कार्यकर्ताओं से एकजुट ही कर हर बूथ पर पार्टी को मजबूत बनाते हुए राजस्थान को भाजपा का गढ़ बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश पुनिया, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रदेश भाजपा प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री अरुण सिंह, पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री ओम माथुर, नेता प्रतिपक्ष श्री गुलाब चंद कटारिया, प्रदेश सह-प्रभारी श्रीमती भारती शियाल, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी, विधान सभा में पार्टी के उप-नेता श्री राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण चतुर्वेदी एवं श्री अशोक परनामी और केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

- **पार्टी पदाधिकारियों को गांवों और कस्बों में रात्रि प्रवास भी करना चाहिए ताकि कार्यकर्ताओं से सहज संबंध स्थापित हो सके**

प्रदेश भाजपा कार्यसमिति को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हमें वर्ष 2021 में सशक्त मंडल, मजबूत बूथ और सक्रिय पन्ना प्रमुख बनाने का काम पूरा कर लेना है। पार्टी के स्थापना दिवस 06 अप्रैल से पहले-पहले हमें प्रदेश के सभी मंडलों को सशक्त बनाना है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती 25 सितंबर से पहले-पहले हर बूथ को मजबूत बनाना है और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती, 25 दिसंबर से पहले-पहले हर बूथ में पन्ना-प्रमुख बनाने का कार्य पूरा कर लेना है। पन्ना प्रमुखों की रचना इस तरह होनी चाहिए कि इसमें दलित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो। कार्यकर्ता ही हमारे पार्टी की ताकत हैं।

राजस्थान की बदहाल कानून-व्यवस्था पर सख्त टिप्पणी करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार में राजस्थान में दलितों पर अत्याचार काफी बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दलितों पर अत्याचार के मामले में राजस्थान दूसरे स्थान पर है जबकि अपराध में 21 प्रतिशत की राजस्थान में हुई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की दृष्टि से राजस्थान के बेरोजगारी दर में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि रोजगार के विषय पर कांग्रेस नेताओं की जानकारी जीरो है। इन्हें मालूम ही नहीं है कि यदि प्रदेश में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति ही सही नहीं है तो फिर निवेश कहां से आयेगा और रोजगार का सृजन कैसे होगा? ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट देखें तो पता चलता है कि राजस्थान देश के भ्रष्टतम राज्यों में से एक बन चुका है। बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि महिलाओं के साथ दुष्कर्म और बलात्कार में राजस्थान की स्थिति काफी दयनीय है। महिलाओं के साथ अपराध के आंकड़े बड़ी तेजी से राजस्थान में बढ़े हैं। राजस्थान की ऐसी बदहाल स्थिति इसलिए हो रही है क्योंकि कांग्रेस की गहलोत सरकार की प्राथमिकता राज्य को सुशासन देने की है ही नहीं। कांग्रेस तो किसी भी तरह सत्ता में बने रहना चाहती है, उसे राज्य की जनता के भलाई से कोई लेना-देना ही नहीं है। इसलिए यह हमारी जिम्मेवारी बनती है कि आने वाले समय में हम इस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंक कर गरीब हितैषी भारतीय जनता पार्टी सरकार का गठन करें। ■

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रथम राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक संपन्न

भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रथम राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक 6 मार्च, 2021 को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी. एल. संतोष, केन्द्रीय संगठक श्री वी. सतीश एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने दीप प्रज्वलन एवं महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि करके शुभारम्भ किया।

प्रथम सत्र में श्री बी.एल. संतोष जी ने नवनियुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों को उनके नवीन दायित्वों के लिए शुभ कामनाएं दी एवं मोर्चा के काम को समाज के अन्तिम पायदान तक ले जाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों का परस्पर परिचय होना चाहिए एवं संगठन एवं सरकार की योजनाओं को समाज तक ले जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रदेशों में निरन्तर प्रवास एवं मण्डल स्तर तक अनुसूचित जाति मोर्चे का गठन करना शीघ्र करना है। समाज के हर वर्ग को साथ में लेकर सम्पूर्ण समाज के उत्थान एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराना मोर्चा की प्राथमिकता है। प्रदेश, जिला, मण्डल स्तर तक हर जाति/समाज का अनुसूचित जाति मोर्चे में प्रतिनिधित्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोर्चा के पदाधिकारियों को देश भर में संगठन हित में निरन्तर प्रवास करना चाहिए। दलित समाज में कार्य कर रहे अन्य संगठनों से सम्पर्क में रहकर सम्पूर्ण समाज का उत्थान करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी निरन्तर समाज हित में कार्य कर रहे हैं, उनके द्वारा चलाई जा रही जन योजनाओं को समाज के हर तबके तक पहुंचाना मोर्चे के हर कार्यकर्ता का प्रथम दायित्व है। मोर्चे के हर कार्यकर्ता को संगठन एवं सरकार के साथ निरन्तर समन्वय बनाकर रखना चाहिए। मोर्चे के कार्यकर्ताओं को संगठन हित में अपना वक्तव्य प्रामाणिकता से रखना चाहिए।

द्वितीय सत्र में अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने मोदी जी के मन्त्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' पर विचार प्रस्तुत किया।

तृतीय सत्र में अनुसूचित जाति मोर्चा के केन्द्रीय संगठक श्री वी. सतीश ने अपने उद्बोधन में मोर्चा की भूमिका एवं पदाधिकारियों के लिए करणीय कार्यक्रम पर चर्चा की। उन्होंने आह्वान किया 6 अप्रैल -पार्टी के स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल- डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के कार्यकमों को मण्डल स्तर तक मनाने की योजना होनी चाहिए।

बैठक का संचालन मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय निर्मल ने किया। बैठक के अन्त में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने उपस्थित पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा

भाजपा, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने 2 मार्च को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की सहमति से मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति की।

घोषणा के अनुसार, श्री वीरेन्द्र कश्यप, श्रीमती कमला पटेल, श्री हेमचंद बर्मन, श्री कृष्ण कुमार ऋषि, श्री अशोक मेंढे, श्री हरपाल सिंह एवं श्री रामअवतार बाल्मीकी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सर्वश्री संजय निर्मल, शंभूनाथ टुंडिया एवं भोला सिंह को राष्ट्रीय महामंत्री, सर्वश्री राजकुमार कांगे, श्री एस. कुमार, डॉ. जीतूचरण राम, श्री संतोख सिंह गुमटाला, डॉ. स्वराज विद्वान, श्री निलुपम दास एवं श्री महेंद्र ढलेत को राष्ट्रीय मंत्री, श्री सूरज कैरो को कोषाध्यक्ष एवं श्री रामचंद्र चावरिया को कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। ■

भारत में अप्रैल से दिसंबर के दौरान आया 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर एफडीआई

वित्त वर्ष 2020-21 के पहले 9 महीने में एफडीआई इक्विटी का प्रवाह 40 फीसदी बढ़ा (51.47 अरब अमेरिकी डॉलर)

भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में सुधार, निवेश प्रक्रिया सरल और बिजनेस करना आसान करने जैसे उठाए गए कदमों का ही परिणाम है कि देश में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह बढ़ा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में निम्नलिखित रुझानों से साफ है कि वैश्विक निवेशकों के लिए भारत निवेश का एक प्रमुख स्थान बन गया है:

- अप्रैल से दिसंबर, 2020 के दौरान 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई देश में आया है। यह किसी वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में आया सबसे अधिक एफडीआई है। वित्त वर्ष 2019-20 की इसी अवधि की तुलना में एफडीआई 22 फीसदी बढ़ा है। इस दौरान 55.14 अरब डॉलर का एफडीआई आया था।
- वित्त वर्ष 2020-21 के पहले 9 महीनों के दौरान इक्विटी के जरिए आने वाले एफडीआई में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो कि इस अवधि में 51.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2019-20 की इसी अवधि में इक्विटी के जरिए 36.77 अरब अमेरिकी डॉलर एफडीआई आया था।
- अकेले वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में 26.16 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया है, जो कि 2019-20 में आए एफडीआई 19.09 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 37 फीसदी ज्यादा है।
- इसी तरह केवल दिसंबर, 2020 में 9.22 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई आया है, जो कि दिसंबर, 2019 के 7.46 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 24 फीसदी ज्यादा है।

दरअसल, भारत के आर्थिक विकास में एफडीआई एक अहम भूमिका रही है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। केंद्र सरकार का प्रयास

रहा है कि वह एक सक्षम और निवेशक अनुकूल एफडीआई नीति लागू करे। एफडीआई नीति को निवेशकों के लिए और अधिक अनुकूल बनाने और निवेश के रास्ते में आने वाली नीतिगत अड़चनों को दूर करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

पिछले साढ़े छह साल में इस दिशा में उठाए गए कदमों का परिणाम है कि देश में एफडीआई प्रवाह लगातार रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ता जा रहा है। एफडीआई क्षेत्र में लगातार उदारीकरण और सरलीकरण की नीति के तहत सरकार ने विभिन्न सेक्टर में एफडीआई से संबंधित सुधार किए हैं। ■

कोवैक्सीन के नैदानिक परीक्षण के तीसरे चरण की प्रभावकारिता 81 प्रतिशत

भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) के साथ साझेदारी में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा विकसित कोवैक्सीन के तीसरे चरण के परिणामों ने कोविड-19 को रोकने में 81 प्रतिशत की अंतरिम टीका प्रभावकारिता दिखाई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) व भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) द्वारा नवंबर, 2020 के मध्य में संयुक्त रूप से शुरू किए गए तीसरे चरण का परीक्षण 21 स्थानों पर कुल 25,800 व्यक्तियों में किया गया था। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) द्वारा अनुमोदित प्रोटोकॉल के अनुसार विश्लेषण से इस टीके की 81 प्रतिशत की अंतरिम प्रभावकारिता अन्य वैश्विक अग्रणी टीकों के बराबर है।

गौरतलब है कि कोवैक्सीन पहली कोविड-19 वैक्सीन है जिसे पूरी तरह से भारत में विकसित किया गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि 8 महीने से भी कम समय में पूरी तरह से स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन की शुरू से अंत तक की यात्रा विषमताओं से लड़ने तथा वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समुदाय में बड़ा नज़र आने में 'आत्मनिर्भर भारत' की अपार ताकत को प्रदर्शित करती है। यह वैश्विक वैक्सीन महाशक्ति के रूप में भारत के उद्भव का प्रमाण भी है। ■

स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत 81 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिलाएं

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 8 मार्च को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार स्टैंडअप इंडिया योजना के तहत 26 फरवरी, 2021 तक 81 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिलाएं हैं और इन खातों (91,109) में महिला उद्यमियों के लिए 20,749 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी जा चुकी है।

इस योजना की शुरुआत 5 अप्रैल, 2016 को की गई थी और इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निचले स्तरों पर आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस योजना का उद्देश्य संस्थागत ऋणों का फायदा ऐसे वर्गों तक पहुंचाना है, जहां इनकी पहले पहुंच नहीं थी और इनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमी हैं, ताकि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में हिस्सेदारी के लिए उन्हें भी अवसर प्रदान किया जा सके।

इस योजना का उद्देश्य 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बैंक ऋणों को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) की प्रत्येक शाखा से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कम से कम एक सदस्य और कम से कम एक महिला उद्यमी को ऋण की सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे हरित क्षेत्र उद्यमों की स्थापना कर सके।

मुद्रा योजना में 68 प्रतिशत ऋण खाते महिला उद्यमियों से संबंधित

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत से लेकर 26 फरवरी, 2021 तक महिला उद्यमियों के 68 प्रतिशत यानी 19.04 करोड़ खातों में 6.36 लाख करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी जा चुकी है।

इस योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक की ऋण राशि उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। इन ऋणों को पीएमएमवाई के तहत मुद्रा ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है और ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, सूक्ष्म वित्त संस्थान और गैर-बैंकिंग वित्तीय निगमों द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

पीएमएमवाई के तहत मुद्रा ऋण को शिशु, किशोर और तरुण के रूप में वर्गीकृत किया गया है, ताकि लाभार्थी सूक्ष्म इकाई/उद्यमी की वृद्धि के चरण–विकास एवं वित्त आवश्यकताओं की पहचान की जा सके और उन्हें विकास के अगले चरणों के लिए आगे समर्थन दिया जा सके।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 41.93 करोड़ खातों में से 23.21 करोड़ खाताधारक महिलाएं

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 24 फरवरी, 2021 तक कुल 41.93 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं जिनमें से 23.21 करोड़ खाते महिलाओं से संबंधित हैं। यह योजना 28 अगस्त, 2014 को शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को कम से कम एक बैंक खाते की आधारभूत सुविधा, वित्तीय साक्षरता, ऋण तक पहुंच, बीमा एवं पेंशन सुविधा उपलब्ध कराना है। ■

7,500वां जन औषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सात मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये शिलांग के पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संस्थान में 7,500वां जन औषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित किया। इन केंद्रों पर गुणवत्ता वाली दवाइयां उचित मूल्य पर उपलब्ध होती हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का उद्देश्य सस्ते दाम पर अच्छी दवाइयां उपलब्ध कराना है। वर्ष 2014 में इन केंद्रों की संख्या 86 थी। इस योजना के तहत आज इन स्टोर की संख्या 7,500 पर पहुंच गई है। देश के सभी जिलों में इस तरह के स्टोर हैं।

वित्त वर्ष 2020-21 में चार मार्च तक इन केंद्रों द्वारा दवाओं की बिक्री से नागरिकों को करीब 3,600 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इन केंद्रों पर दवाएं बाजार मूल्य से 50 से 90 प्रतिशत सस्ती मिलती हैं। ■

पीएसएलवी-सी51 के जरिए ब्राजील के अमेजोनिया-1, 18 अन्य उपग्रहों को किया गया प्रक्षेपित

भारत के पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) सी-51 के जरिए ब्राजील के अमेजोनिया-1 और 18 अन्य उपग्रहों का 28 फरवरी को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया गया। यह इसरो का इस साल का पहला मिशन है। पीएसएलवी-सी51 ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम लॉन्च पैड से करीब 10 बजकर 24 मिनट पर उड़ान भरी और सबसे पहले करीब 17 मिनट बाद प्राथमिक पेलोड अमेजोनिया-1 को कक्षा में स्थापित किया।

करीब डेढ़ घंटे के अंतराल के बाद अन्य उपग्रहों को 10 मिनट में एक के बाद एक करके प्रक्षेपित किया गया। इन उपग्रहों में चेन्नई की स्पेस किड्ज़ इंडिया (एसकेआई) का उपग्रह भी शामिल है, जिस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर उकेरी गई है। एसकेआई का सतीश धवन उपग्रह (एसडी-सैट) सुरक्षित डिजिटल कार्ड प्रारूप में भगवद्गीता को भी अपने साथ लेकर गया है।

एसकेआई ने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर पहल और अंतरिक्ष क्षेत्र के निजीकरण के लिए एकजुटता और आभार व्यक्त करने के लिए अंतरिक्ष यान के शीर्ष पैनल पर मोदी की तस्वीर उकेरी गई है।

इसरो की वाणिज्यिक इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटिड (एनएसआईएल) के लिए भी यह खास दिन है। पीएसएलवी सी51/अमेजोनिया-1 एनएसआईएल का पहला समर्पित वाणिज्यिक मिशन है। 637 किलोग्राम वजनी अमेजोनिया-1 ब्राजील का पहला उपग्रह है जिसे भारत से प्रक्षेपित किया गया। यह राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (आईएनपीई) का ऑप्टिकल पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है।

जिन अन्य 18 उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया गया है, उनमें से चार उपग्रह इसरो के भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र और 14 उपग्रह एनएसआईएल के हैं। ■

प्रधानमंत्री ने एनएसआईएल और इसरो को दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पीएसएलवी-सी51/एमेज़ोनिया-1 मिशन के पहले समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण की सफलता पर एनएसआईएल (न्यूस्पेस इंडिया लिमिटिड) और इसरो को बधाई दी। एक ट्वीट में श्री मोदी ने कहा कि पीएसएलवी-सी51/एमेज़ोनिया-1 मिशन के पहले समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण की सफलता पर एनएसआईएल और इसरो को बधाई। इससे देश में अंतरिक्ष सुधारों के एक नए युग का सूत्रपात होता है। 18 को-पैसेंजर्स में चार छोटे उपग्रह शामिल थे जो हमारे युवाओं के जोश और उनके नवप्रवर्तनशील होने को प्रदर्शित करता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएसएलवी-सी51 द्वारा ब्राजील के एमेज़ोनिया-1 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर ब्राजील के राष्ट्रपति श्री जायर बोलसोनारो को भी बधाई दी। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि पीएसएलवी-सी51 द्वारा ब्राजील के एमेज़ोनिया-1 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो को बधाई। यह हमारे अंतरिक्ष सहयोग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है एवं ब्राजील के वैज्ञानिकों को मेरी शुभकामनाएं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष के. सिवन ने मिशन के सफल होने की घोषणा की और बताया कि सभी 19 उपग्रहों को उनकी कक्षाओं में स्थापित किया गया। उन्होंने कहा कि आज का दिन पूरी इसरो टीम के लिए एक बड़ा दिन है और पीएसएलवी-सी51 भारत के लिए एक विशेष मिशन है। मैं अमेजोनिया-1 और 18 अन्य उपग्रहों को सटीकता से उनकी कक्षा में स्थापित करने को लेकर इसरो टीम को बधाई देना चाहता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं। ■

भारतीय विचारधारा सहयोग एवं परस्परपूरकता पर आधारित

दीनदयाल उपाध्याय

जीवित रहने की वृत्ति के कारण ही एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को हड़पना चाहता है। यह वृत्ति हमारे जीवनादर्श में नहीं है।

भारत और पश्चिम के विचारों में मूलभूत अंतर है हम समाज की अनेक इकाइयों में सामंजस्य मानकर चलते हैं और पश्चिम में विरोध को महत्त्व दिया गया है उनकी कल्पना है कि संपूर्ण मानव जीवन संघर्षमय है। सृष्टि इसी संघर्ष के आधार पर टिकी हुई है। उनका समूचा जीवन-दर्शन प्रतिस्पर्धा पर आधारित है। भारत की सारी विचारधारा सहयोग और परस्परपूरकता पर आधारित है। हम प्रत्येक सामाजिक इकाई को उसकी पूर्णता में देखते हैं, पर वे उसे पूर्णता में नहीं देखते। हम व्यक्ति के शरीर को भौतिक आवश्यकताओं का पुंज नहीं मानते। हमने उनको बौद्धिक, मानसिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं को भी महत्त्व दिया है। परंतु पश्चिम में अधिकांश लोग शरीर की भौतिक आवश्यकताओं के बीच संघर्ष की स्थिति मानते हैं। इसमें ये भौतिक आवश्यकताओं को प्रमुखता प्रदान करते हैं। यह सत्य है कि व्यक्ति और समाज में संघर्ष के क्षण आते हैं, परंतु यह स्थिति स्वाभाविक नहीं, असामान्य है यह स्थिति धर्म की नहीं, यह तो विकृति है।

इस संघर्ष की मान्यता के कारण पश्चिम में दो प्रकार के चिंतक मिलते हैं। एक तो वे हैं, जो व्यक्ति को प्रमुख मानते हैं, समाज को गौण मानकर चलते हैं, वे समाज को वहीं तक मानते हैं, जहां तक वह व्यक्ति के हितों की रक्षा करता है।

दूसरे प्रकार के विचारक समाज को श्रेष्ठ और व्यक्ति को गौण मानते हैं। ये व्यक्ति की सत्ता को एकदम समाप्त कर देना चाहते हैं। ये मानते हैं कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समाज का हित साथ-साथ नहीं चल सकते। दोनों में से हमें एक हो चुनना होगा।

डार्विन के 'शक्तिशाली ही जीता है' के सिद्धांत के आधार पर उन्होंने अपने जीवन की रचना की। इसीलिए वहां केवल अपने स्वार्थ के लिए लड़ाई और होड़ है। प्रत्येक एक-दूसरे को अविश्वास की दृष्टि से देखता है। वहां दो व्यक्ति आपस में इसलिए मिलते हैं कि उनके समान स्वार्थ हैं। पूंजीपति एक साथ है तो मजदूर एक साथ। राष्ट्र के संबंध में भी स्वार्थ की भूमिका छिपी रहती है। वे समान स्वार्थ के व्यक्ति समूह को ही राष्ट्र मानते हैं।

पश्चिम में प्रत्येक अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहता है। यहां पति-पत्नी के अधिकारों की लड़ाई चलती है। प्रेम विवाह होते हैं, फिर भी संघर्ष बना रहता है। हमारे यहां विवाह मां-बाप कराते हैं, फिर भी संघर्ष नहीं होता है। जहां सचमुच का प्रेम है, वहां संघर्ष हो ही नहीं सकता। हमारी प्रेरणा अधिकारों की नहीं, कर्तव्य की है। हम कर्तव्य को आधार लेकर चलते हैं। हम सेवा का विचार करते हैं, अपनी एकात्मकता और सहिष्णुता का अनुभव करते हैं। हम दूसरे की बात को भी सच्ची मानकर सुनते हैं।

धर्म संघर्ष से नहीं सामंजस्य से उत्पन्न होता है। एक-दूसरे के जीवन से एकात्म होना ही धर्म होता है। महाभारत में धर्म-अधर्म की बड़ी सरल व्याख्या की गई है। मम यह अधर्म है। 'न मम' यही धर्म है। मेरा कुछ नहीं, सब तेरा है, यही धर्म है। सब कुछ मेरा है, यही अधर्म है। इससे अहंकार जाग्रत् होता है। इसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति स्वयं को केंद्र मानकर संपूर्ण समाज का विचार करता है।

यदि संसार को चलाना है तो 'न मम' का विचार करना होगा। इसी को अपने यहां 'यज्ञ' कहा गया है। यज्ञ का अर्थ हवनकुंड नहीं। उसमें आहुति डालना यह यज्ञ का प्रतीक है, यह यज्ञ भाव जगाने की एक पद्धति है। यह संस्कार डालने का एक तरीका है। इसीलिए आहुति के समय कहते हैं कि यह मेरा नहीं देवता का है। जो प्रसाद में मिलता है, उसे ही हम ग्रहण करते हैं। यह त्याग का भाव है। मैं अपने लिए नहीं, दूसरे के लिए हैं, यही अपनी जीवनदृष्टि है।

व्यक्ति की स्वतंत्रता और समाज के हित में दोनों में मेल होना आवश्यक है, व्यक्ति को स्वतंत्रता मिली है। उस पर कोई रोक नहीं है, पर यदि वह स्वतंत्रता का उपयोग अपने लिए ही

करेगा तो ग़लत होगा। व्यक्ति को अपने लिए ही नहीं समाज के लिए भी जीना चाहिए। यदि ऐसा हुआ तो वह समाज की सेवा का प्रयत्न करेगा।

हम रहें, हमारा राष्ट्र रहे और बाकी के लोग समाप्त हो जाएं, यह कल्पना अत्यंत घातक है। हम अपने राष्ट्र का वैभव चाहते हैं, पर यदि उस वैभव को कोई देखनेवाला न रहा तो हमारा वैभव किस काम का?

स्वयं जीवित रहने की इस वृत्ति के कारण ही एक राष्ट्र को हड़पना चाहता है, यह वृत्ति हमारे जीवनादर्श में नहीं है। हम न तो प्रकृति का शोषण करते हैं और न राष्ट्र का ही। हम गाय को मां मानते हैं। उसका दूध प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। गंगा को मां मानते हैं, उसका जल पीकर अपने को धन्य समझते हैं। हमारे यहां मां-बहिनें घर का काम करती हैं। तो पश्चिम के लोग यह मानते हैं कि हम स्त्रियों का शोषण करते हैं। यह भाव गलत है। मां पुत्र की सेवा करती है, उसका शोषण नहीं होता है। यह मां की ममता है। बहन का स्नेह है, जिसके कारण वह कार्य करती है। हम ज्ञानी होंगे और सारी दुनिया मूर्ख रहेगी, ऐसा हम नहीं सोचते। हमने अपने समक्ष विश्व को आर्य बनाने का, श्रेष्ठ बनाने का सिद्धांत रखा। अपने ज्ञान को छिपाया नहीं, समूचे विश्व में फैलाया है। संसार के सब लोग मानव बने, मानवोचित व्यवहार करें। यही हमारे जीवन का मूलभूत विचार रहा है।

समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एकात्मकता होनी चाहिए। ऐसा होने से उसका व्यक्तित्व नष्ट नहीं होगा, अपितु और भी विकसित होगा। व्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त नहीं होगी, समाज की विराटता में मिलकर और भी विराट हो जाएगी। यदि व्यक्ति ने अपने को समाज से अलग माना तो संघर्ष अवश्य ही खड़ा होगा। वास्तव में व्यक्ति और समाज के बीच में कोई संघर्ष नहीं। यदि संघर्ष आया तो यह दुःख का ही कारण होता है। हमारे यहां ऐसी कोई संघर्ष कल्पना नहीं है।

आज संसार के अन्य लोग भी समझ रहे हैं कि मानव की एकता आवश्यक है। मनुष्य-मनुष्य के बीच की यह लड़ाई बंद होनी चाहिए, ऐसा सब लोग सोच रहे हैं। पर शायद उन्हें यह पता नहीं कि इस एकता के लिए कौन सा तत्त्व ज्ञान है, जो इसके आधार के रूप में प्रतिष्ठित होगा। हम उसे जानते हैं कि वह तत्वज्ञान कौन सा है? हमें वह प्राप्त करना है। हजारों वर्षों से हम उसे लेकर चले रहे हैं। यदि हम उस तत्त्वज्ञान के साथ चलते रहेंगे तो यह पददलित, हेयराष्ट्र-जीवन एक दिन समाप्त होकर रहेगा।

संसार में हम कुछ करने के लिए पैदा हुए हैं। यह सत्यभाव हम पहचानें। यह सत्यशक्ति के आधार पर ही टिक सकता है, यह भी हम समझे और उसी के आधार पर सारे विद्वेष को समाप्त कर विश्व में सामंजस्य स्थापन का पुण्य कार्य संपन्न करने का संकल्प लें। समूचे समाज में यज्ञभाव उत्पन्न करें जैसे समुद्र का पानी वाष्प बनकर बादल बनता है, फिर बरसकर उसी के पास आ जाता है। वैसा ही भाव हम भी प्राप्त करना प्रकृति से सीखें। प्रकृति के इस भाव के आधार पर ही सृष्टि टिकी है। यदि यह भाव हमारे जीवन में भी आया तो हम देखेंगे कि मानव जीवन में अवश्यमेव शांति आएगी और हमारा तत्त्वज्ञान विश्व की अस्थिरता को समाप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। ■

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : अलीगढ़ (जून ११, १९६२)

'वन डिस्ट्रिक्ट वन फ़ोकस प्रोडक्ट' के लिए उत्पादों को अंतिम रूप दिया गया

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के परामर्श से 'वन डिस्ट्रिक्ट वन फोकस प्रोडक्ट' (ओडीओएफपी) के लिए उत्पादों को अंतिम रूप दिया। देशभर के 728 जिलों के लिए कृषि, बागवानी, पशु, पोल्ट्री, दूध, मत्स्य पालन और जलीय कृषि, समुद्री क्षेत्रों से उत्पादों की पहचान की गई है। उत्पादों की सूची को राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से जानकारी लेने के बाद अंतिम रूप दिया गया।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 27 फरवरी को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार इन उत्पादों को भारत सरकार की योजनाओं के समावेश के माध्यम से एक समूह दृष्टिकोण से बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि किसानों की आय बढ़ाने के अंतिम उद्देश्य के साथ इन उत्पादों के मूल्य में वृद्धि की जा सके। इन पहचान किए गए उत्पादों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की पीएम-एफएमई योजना के तहत सहायता प्रदान की जाएगी।

यह योजना प्रोमोटरों और सूक्ष्म उद्यमों को प्रोत्साहन प्रदान करती है। कई उत्पादों में अन्य विभागों के संसाधनों और पहुंच का समावेश शामिल है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय अपनी एमआईडीएच, एनएफएसएम, आरकेवीवाई, पीकेवीवाई जैसी मौजूदा केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं से ओडीओएफपी की मदद करेगा। राज्य सरकारों द्वारा ओडीओएफपी के कार्यान्वयन से किसानों को लाभ होगा। ■

नहीं रहे सांसद नंद कुमार सिंह चौहान

(8 सितंबर, 1952 – 2 मार्च, 2021)

मध्य प्रदेश के खंडवा से भाजपा सांसद श्री नंद कुमार सिंह चौहान का दो मार्च को निधन हो गया। वे 68 वर्ष के थे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान समेत अनेक प्रमुख लोगों ने शोक व्यक्त किया।

श्री नन्द कुमार सिंह चौहान का जन्म 8 सितंबर, 1952 हुआ था। वे इस समय खंडवा लोक सभा सीट से सांसद थे।

वर्ष 1985 में वह शाहपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार विधायक चुने गए और 1990 और 1993 में भी वे विधानसभा के लिए चुने गए। वर्ष 1996 में वे खंडवा लोकसभा सीट से सांसद चुने गए। इसके बाद वह वर्ष 1998, 1999, 2004 और 2014 व 2019 में भी सांसद बने। वह मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे।

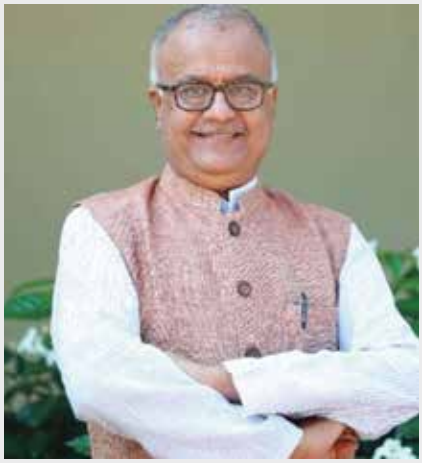

शोक संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री चौहान के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट कर कहा कि खंडवा से लोकसभा सांसद श्री नन्द कुमार सिंह चौहान जी के निधन से बहुत दुःखी हूं। उन्हें संसदीय बैठकों, संगठनात्मक कुशलता और पूरे मध्यप्रदेश में भाजपा को सुदृढ़ बनाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और खंडवा से सांसद श्री नंद कुमार चौहान जी के निधन की खबर से मन व्यथित है। नंदकुमार जी का संपूर्ण जीवन प्रदेश, समाज व संगठन की सेवा के प्रति समर्पित रहा। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। ओम शांति।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने श्री चौहान के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट कर कहा कि मध्यप्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व खंडवा से सांसद नंदकुमार सिंह चौहान जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। उनका सम्पूर्ण जीवन जनसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने मध्यप्रदेश में संगठन के विस्तार में अहम भूमिका निभाई। मैं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति, शांति।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश से सांसद एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री नंद कुमार चौहान के निधन से मुझे बहुत दुःख हुआ है। उनका पूरा जीवन सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित रहा। 'नंदू भैया' ने मध्यप्रदेश में भाजपा को मजबूत बनाने में महती भूमिका निभाई। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर कहा कि लोकप्रिय जन नेता नंदू भैया, हम सबको छोड़कर चले गये। हमारे सब प्रयास विफल हुए। नंदू भैया के रूप में भाजपा ने एक आदर्श कार्यकर्ता, कुशल संगठक, समर्पित जन नेता को खो दिया। मैं व्यथित हूं। नंदू भैया का जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है।

कमल संदेश परिवार की ओर से स्व. नंद कुमार सिंह चौहान के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि। ■

भाजपा राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग की बैठक आयोजित

भाजपा के राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग ने 5 मार्च, 2021 को भाजपा केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में राज्य प्रशिक्षण संयोजकों और सह-संयोजकों की बैठक आयोजित की। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) श्री बीएल संतोष ने बैठक का उद्घाटन किया और इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस बैठक के दौरान, 2020 में आयोजित मंडल प्रशिक्षण शिविरों और 15 मार्च, 2021 से शुरू होने वाले जिला प्रशिक्षण शिविरों की समीक्षा की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अगले चरण में 15 मार्च, 2021 से जून, 2021 तक पूरे देश में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। मंडल प्रशिक्षण शिविर उन क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे जहां अभी तक प्रशिक्षण शिविर आयोजित नहीं किए गए थे। और जिन स्थानों पर मंडल शिविरों को पूरा किया जा चुका है, वहां जिला प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस राष्ट्रीय बैठक को प्रशिक्षण विभाग के राष्ट्रीय प्रभारी श्री मुरलीधर राव, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. महेश चंद्र शर्मा, केंद्रीय समिति के सदस्य श्री रवींद्र साठे, डॉ. शिव शक्ति बक्सी और श्री हेमंत गोस्वामी ने भी संबोधित किया। पार्टी के संगठक श्री वी. सतीश के समारोप वक्तव्य के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। ■

पश्चिम बंगाल, असम सहित पांच राज्यों के लिए चुनाव तारीखों की घोषणा

केंद्रीय चुनाव आयोग ने 26 फरवरी, 2021 को पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के लिए विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की। अलग-अलग चरणों एवं तारीखों में होने वाले मतदान की गणना एक ही दिन दो मई को होगी।

पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। 18.68 करोड़ मतदाता तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुडुचेरी में 2.7 लाख मतदान केंद्रों पर वोट डालेंगे।

राज्य	मतदान
पश्चिम बंगाल	27 मार्च, 1, 6, 10, 17, 22, 26, 29 अप्रैल
असम	27 मार्च, 1 और 6 अप्रैल
केरल	6 अप्रैल
तमिलनाडु	6 अप्रैल
पुडुचेरी	6 अप्रैल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मिला सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार

पर्यावरण संरक्षण और देखभाल के मामले में भारत के लोगों ने सदियों से पूरी दुनिया का नेतृत्व किया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 मार्च को कैम्ब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स वीक (सेरावीक) 2021 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी कहा कि मैं बहुत ही विनम्रता और सम्मान के साथ इस सेरावीक ग्लोबल एनर्जी और एंवायरमेंट पुरस्कार को स्वीकार करता हूं। मैं इस पुरस्कार को हमारी महान भारत माता के लोगों को समर्पित करता हूं। मैं इस पुरस्कार को हमारी मातृभूमि की गौरवशाली परंपरा को समर्पित करता हूं, जिसने हमें पर्यावरण की देखभाल और संरक्षण का रास्ता दिखाया है।

उल्लेखनीय है कि सेरावीक ग्लोबल वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार की शुरुआत 2016 में की गई थी। यह वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण के भविष्य के लिए नेतृत्व और ऊर्जा की उपलब्धता, सस्ती ऊर्जा और पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए समाधान व नीतियों की पेशकश के उद्देश्य से प्रतिबद्धता को पहचान देती है।

> • पर्यावरण संरक्षण और देखभाल के मामले में भारत के लोगों ने सदियों से पूरी दुनिया का नेतृत्व किया है

श्री मोदी ने आगे कहा कि पर्यावरण संरक्षण और देखभाल के मामले में भारत के लोगों ने सदियों से पूरी दुनिया का नेतृत्व किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति और पूजा-पाठ का आपस में गहरा संबंध है। श्री मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी पर्यावरण की चिंता करने वाले दुनिया के सबसे महान व्यक्ति रहे हैं। अगर हम उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते, तो आज जिन चुनौतियों और परेशानियों का सामना हमें करना पड़ रहा है, उनका सामना नहीं करना पड़ता।

उन्होंने बताया भारत की वर्तमान बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 38 प्रतिशत तक बढ़ गया है। भारत ने अप्रैल, 2020 से भारत-6 उत्सर्जन मानदंड को अपनाया है, जो यूरो-6 ईंधन के बराबर हैं। भारत वर्ष 2030 तक प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की दिशा में काम कर रहा है। एलएनजी को भी ईंधन के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने हाल ही में शुरू किए गए राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन और पीएम कुसुम योजना का भी उल्लेख किया, जो सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक न्यायसंगत और विकेंद्रीकृत मॉडल को बढ़ावा देता है। श्री मोदी ने कहा कि उपर्युक्त नियम और योजनाओं के अलावा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जो सबसे मजबूत रास्ता है, वो है लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना।

उन्होंने अपने व्यवहार में बदलाव लाने का आह्वान किया, ताकि ये दुनिया हमारे जीवन जीने के लिए एक बेहतर स्थान बन सके। श्री मोदी ने भारतीय किसानों पर गर्व महसूस करते हुए कहा कि हमारे किसान लगातार सिंचाई की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य में सुधार और कीटनाशकों के उपयोग को कम करने के बारे में किसानों के बीच जागरूकता बढ़ रही है।

श्री मोदी ने विशेष रूप से कहा कि आज दुनिया फिटनेस और वेलनेस पर ध्यान दे रही है। आज स्वस्थ और जैविक खाद्य पदार्थों की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत अपने मसालों और आयुर्वेदिक उत्पादों के जरिए दुनियाभर में हो रहे इन बदलावों का नेतृत्व कर इसका फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार देश में ईको-फ्रेंडली परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में 27 नगर और शहरों में मेट्रो नेटवर्क पहुंचाने पर काम कर रही है।

श्री मोदी ने उल्लेख किया कि पिछले 7 वर्षों में भारत के वन क्षेत्र में काफी वृद्धि हुई है। यहां शेरों, बाघों, तेंदुओं और पानी में रहने वाली पक्षियों की आबादी भी बढ़ी है। उन्होंने इसे व्यवहार परिवर्तन की दिशा में सकारात्मक संकेत का एक उदाहरण बताया। श्री मोदी ने कहा कि तार्किक शक्ति और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखकर सोचने का समय आ गया है। यह मेरे या आपके लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण पृथ्वी के बेहतर भविष्य के लिए ज़रूरी है। ■

बजट में शिक्षा को रोजगार और उद्यमि
जोड़ने के प्रयासों को विस्तार दिया ग

इस साल के बजट का पूरा ध्यान स्वास्थ्य के बाद शिक्षा, कुशलता, अनुसंधान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा क्षेत्र से जुड़े बजट प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने के विषय पर एक वेबिनार को तीन मार्च को संबोधित किया। वेबिनार को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि एक 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करने के लिए देश के युवकों का आत्मविश्वास बढ़ाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास तभी आता है, जब युवकों को अपनी शिक्षा और ज्ञान पर पूरा भरोसा हो। आत्मविश्वास तब आता है, जब उन्हें यह महसूस हो कि उनका अध्ययन उन्हें अपना काम करने के लिए उचित अवसर और अनिवार्य कुशलता दिलाता है।

- एक 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करने के लिए देश के युवकों का आत्मविश्वास बढ़ाना बेहद जरूरी है

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का निर्माण इसी विचार के साथ किया गया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नई शिक्षा नीति के प्री-नर्सरी से लेकर पीएचडी तक के सभी प्रावधानों को शीघ्रतापूर्वक लागू किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बजट प्रावधान इस संदर्भ में पर्याप्त मददगार होंगे।

श्री मोदी ने कहा कि इस साल के बजट का पूरा ध्यान स्वास्थ्य के बाद शिक्षा, कुशलता, अनुसंधान और नवाचार पर है। उन्होंने देश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के बीच बेहतर तालमेल बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इस बजट में कुशलता विकास, उन्नयन और अप्रेंटिसशिप पर अप्रत्याशित ज़ोर दिया गया है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ सालों से शिक्षा को रोज़गार और उद्यमिता क्षमताओं से जोड़ने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, उन्हें इस बजट में और विस्तार दिया गया है। इन प्रयासों के नतीजे में आज भारत वैज्ञानिक प्रकाशनों, पीएचडी स्कॉलरों की संख्या और स्टार्टअप ईको सिस्टम के मामले में विश्व के तीन प्रमुख देशों में शामिल हो चुका है।

श्री मोदी ने कहा कि वैश्विक नवाचार इंडेक्स में भारत शीर्ष 50 देशों में शामिल हो चुका है और उसकी स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार पर लगातार ध्यान दिए जाने के फलस्वरूप छात्रों और युवा वैज्ञानिकों के लिए नए-नए अवसर सामने आ रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि पहली बार स्कूलों के अटल टिंकरिंग लैब्स

ंता क्षमताओं से या: नरेन्द्र मोदी

और नवाचार पर है

से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों के अटल इन्क्युबेशन सेंटरों तक पर पूरा ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश में स्टार्टअप के लिए हैकथॉन आयोजित करने की एक नई परंपरा शुरू हुई है जो देश के युवा और उद्योगों दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

श्री मोदी ने बताया कि नवाचार के विकास और उसे बढ़ावा देने की राष्ट्रीय पहल (एनआईडीएचआई) के ज़रिए 3500 से ज्यादा स्टार्टअप का विकास किया जा रहा है। इसी तरह राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत आईआईटी बीएचयू, आईआईटी खड़गपुर और आईआईएसईआर पुणे में 3 सुपर कंप्यूटर- परम शिवाय, परम शक्ति और परम ब्रह्म स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि देश के एक दर्जन से ज्यादा संस्थानों को ऐसे सुपर कंप्यूटर दिए जाने का प्रस्ताव है। श्री मोदी ने बताया कि आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी दिल्ली और बीएचयू से तीन अत्याधुनिक एनालिटिकल एवं टेक्निकल हेल्प इंस्टीट्यूट (साथी) भी काम कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इस विचार के साथ कि ज्ञान और अनुसंधान को सीमाओं में बांधना देश की संभावनाओं के साथ अन्याय होगा। अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, डीआरडीओ और कृषि के क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं के लिए बहुत से आयाम खोले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश ने पहली बार मौसम विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों को प्राप्त किया है जिसके कारण अनुसंधान एवं विकास बढ़ा है और हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी सुधार हुआ है। हाल में भू-अंतरिक्ष डेटा को आम लोगों के लिए साझा किया गया है, जिससे अंतरिक्ष क्षेत्र और देश के युवा मानस को बहुत से अवसर प्राप्त होंगे। इससे समूचे भू-पारिस्थितिकी तंत्र को बहुत लाभ होगा।

श्री मोदी ने कहा कि देश में पहली बार एक राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए 50 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह देश के अनुसंधान संस्थानों के प्रशासनिक ढांचों को मजबूत बनाएगा और अनुसंधान एवं विकास, अकादमीशियनों और उद्योगों के बीच संपर्क को भी बेहतर बनाएगा।

उन्होंने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में 100 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाती है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा, पोषण और कृषि के लिए जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान में विस्तार का आह्वान किया।

भारतीय प्रतिभाओं की बढ़ती मांग के संदर्भ में श्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कुशलता समूहों की मैपिंग करके और श्रेष्ठ प्रक्रिया का पालन करके, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को आमंत्रित करके और उद्योगों के लिए कुशलता उन्नयन करके हमें अपने युवाओं को तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस बजट में अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम की सुगमता (ईज़ ऑफ डूईंग अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम) की परिकल्पना की गई है जो कि देश के युवा के लिए बहुत लाभप्रद होगा।

• इस बजट में अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम की सुगमता (ईज़ ऑफ डूईंग अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम) की परिकल्पना की गई है जो कि देश के युवा के लिए बहुत लाभप्रद होगा

श्री मोदी ने कहा कि भविष्य का ईंधन (फ्यूचर फ्यूल) और हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) ऊर्जा के क्षेत्र में खुद को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बेहद ज़रूरी हैं। इसके लिए बजट में जिस हाईड्रोजन मिशन की घोषणा की गई है, उसकी तरफ हमें पूरी गंभीरता से बढ़ना है।

श्री मोदी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में ज्यादा से ज्यादा स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के इस दौर में यह पूरी तरह संभव है। उन्होंने कहा कि बजट में प्रस्तावित राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन (एनएलटीएल) इस दिशा में एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। ■

कृषि और किसान कल्याण से संबंधित बजट पर वेबिनार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक मार्च को कृषि और किसान कल्याण से संबंधित बजट प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में आयोजित सेमिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया। इस वेबिनार में कृषि, डेयरी, मत्स्य पालन क्षेत्र के विशेषज्ञों, सार्वजनिक, निजी और सहकारी क्षेत्र के हितधारकों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को वित्तपोषित करने वाले बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केंद्रीय कृषि मंत्री भी इस वेबिनार में शामिल हुए।

इस अवसर पर श्री मोदी ने छोटे किसानों को केन्द्र में रखते हुए सरकार के विजन को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इन छोटे किसानों के सशक्तिकरण से भारतीय कृषि को अनेक समस्याओं से छुटकारा दिलाने में बहुत मदद मिलेगी।

श्री मोदी ने इस केन्द्रीय बजट में कृषि के लिए कुछ प्रावधानों के बारे में प्रकाश डाला। इन प्रावधानों में पशु-पालन, डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए कृषि ऋण लक्ष्य बढ़ाकर 16,50,000 करोड़ रुपये करना, ग्रामीण बुनियादी ढांचा निधि बढ़ाकर 40,000 करोड़ रुपये करना, सूक्ष्म सिंचाई के लिए आवंटन दोगुना करना, ऑपरेशन ग्रीन स्कीम का दायरा 22 जल्दी खराब होने वाले उत्पादों तक बढ़ाना और ई-नाम के साथ 1,000 और मंडियों को जोड़ना शामिल हैं।

उन्होंने लगातार बढ़ते जा रहे कृषि उत्पादन के बीच 21वीं सदी में पोस्ट हार्वेस्ट क्रांति या खाद्य प्रसंस्करण क्रांति और मूल्य संवर्धन से संबंधित भारत की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर यह काम दो-तीन दशक पहले हो गया होता तो देश के लिए बहुत अच्छा होता।

श्री मोदी ने खाद्यान्नों, सब्जियों, फलों और मछली पालन जैसे कृषि से संबंधित प्रत्येक क्षेत्र में प्रसंस्करण विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए यह महत्वपूर्ण है कि किसानों को अपने गांव के पास ही भंडारण सुविधाएं उपलब्ध हों।

उन्होंने खेतों से प्रसंस्करण इकाइयों तक उत्पाद ले जाने की प्रणाली में सुधार लाने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि ऐसी इकाइयों की लैंड होल्डिंग (जोत) कृषक उत्पादक संगठनों (एफटीओ) द्वारा की जाए। श्री मोदी ने देश के किसानों को अपनी उपज बेचने के विकल्पों का विस्तार करने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हमें प्रसंस्कृत खाद्य के लिए देश के कृषि क्षेत्र का वैश्विक बाजार में विस्तार करना है। हमें गांव के पास कृषि उद्योग क्लस्टरों की संख्या बढ़ानी चाहिए, ताकि गांव के लोगों को अपने गांव में ही कृषि से संबंधित रोजगार प्राप्त हो सकें।

श्री मोदी ने कहा कि ऑर्गेनिक क्लस्टर और निर्यात क्लस्टर भी इस बारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह कल्पना की कि हमें ऐसे परिदृश्य की ओर आगे बढ़ना है जहां कृषि आधारित उत्पाद गांवों से शहरों की ओर और औद्योगिक उत्पाद शहरों से गांवों तक पहुंचे। श्री मोदी ने उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक ले जाने के लिए 'एक जिला एक उत्पाद योजना' का लाभ उठाने के तरीकों का पता लगाने की जरूरत पर भी बल दिया।

श्री मोदी ने कहा कि हालांकि भारत दुनिया का एक प्रमुख मछली उत्पादक और निर्यातक देश है फिर भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रसंस्कृत मछली के बारे में हमारी हिस्सेदारी बहुत सीमित है। उन्होंने कहा कि इस परिदृश्य में बदलाव लाने के लिए सुधारों के साथ-साथ सरकार ने 'रेडी टू ईट', 'रेडी टू कुक' प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों, प्रसंस्कृत 'सी फूड' और मोजरैला पनीर जैसे उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने उत्पादन से जुड़े लगभग 11,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहनों की घोषणा की है।

श्री मोदी ने ऑपरेशन ग्रीन का भी जिक्र किया, जिसके तहत सभी फलों और सब्जियों की ढुलाई के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में ही 350 किसान रेलगाड़ियों का संचालन किया गया है और इन रेलगाड़ियों

• छोटे किसानों के सशक्तिकरण से भारतीय कृषि को अनेक समस्याओं से छुटकारा दिलाने में बहुत मदद मिलेगी

छोटे किसानों का सशक्तिकरण के विजन का केन्द्रबिन्दुः नरेन्द्र मोदी

क्तिकरण से भारतीय कृषि को अनेक समस्याओं से छुटकारा दिलाने में बहुत मदद मिलेगी

के माध्यम से 1,00,000 मीट्रिक टन फलों और सब्जियों की ढुलाई की गई है। किसान रेल पूरे देश के लिए कोल्ड स्टोरेज का एक मजबूत माध्यम बन गया है।

श्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पूरे देश के जिलों में फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए क्लस्टरों का निर्माण करने पर जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना के तहत लाखों सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की सहायता की जा रही है। उन्होंने ट्रैक्टरों, स्ट्रॉ मशीनों या अन्य कृषि मशीनों के प्रति घंटे किराये के लिए सस्ते और प्रभावी विकल्प के साथ छोटे किसानों की मदद करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की जरूरत पर जोर दिया। कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के लिए सस्ते और प्रभावी साधनों के लिए ट्रक समूहकों का उपयोग करने के लिए भी कहा।

श्री मोदी ने देश में मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपनी मिट्टी के स्वास्थ्य के बारे में किसानों की जागरूकता बढ़ाने से फसलों के उत्पादन में सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के बारे में निजी क्षेत्र के अधिक योगदान की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हमें अब किसानों को ऐसे विकल्प देने होंगे, जिनमें वे केवल गेहूं और चावल उगाने तक ही सीमित न रहें। हम ऑर्गेनिक खाद्य से लेकर सलाद से संबंधित सब्जियों को उगाने का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार की कई फसलें हैं जिन्हें उगाया जा सकता है। श्री मोदी ने कहा कि सीवीड (समुद्री शैवाल) और बीज्वैक्स (मधुमोम) के लिए बाजार तलाशने की जरूरत है।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्षों में किसान क्रेडिट कार्ड का छोटे-से-छोटे किसानों, पशुपालकों और मछुआरों तक धीरे-धीरे विस्तार किया गया है। पिछले वर्ष 1.80 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं। पिछले 6-7 वर्षों की तुलना में ऋण का प्रावधान दोगुना से भी अधिक कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1,000 एफपीओ की व्यवस्था से सहकारिता मजबूत हो रही है। ■

कोयम्बटूर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

'भारत के औद्योगिक विकास में तमिलनाडु का बड़ा योगदान'

भवानी सागर बांध के आधुनिकीकरण से 2 लाख एकड़ से अधिक भूमि की सिंचाई होगी और अनेक जिलों के किसानों को इस परियोजना से लाभ होगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी को 1000 मेगावाट की न्येवेली न्यू ताप बिजली परियोजना और एनएलसीआईएल की 709 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना राष्ट्र को समर्पित की। उन्होंने वी.ओ. चिदम्बरनार बंदरगाह पर डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और 5 मेगावाट के ग्रिड से जुड़े जमीन आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र और लोअर भवानी प्रोजेक्ट सिस्टम के विस्तार, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण के लिए आधारशिला रखी।

श्री मोदी ने कोयम्बटूर, मदुरै, सेलम, तंजावुर, वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, तिरुप्पुर, तिरुनेलवेली और थुथुकुडी सहित नौ स्मार्ट शहरों में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) के विकास की आधारशिला रखी। उन्होंने वी.ओ. चिदम्बरनार बंदरगाह पर 8 लेन वाले कोरमपल्लम पुल और रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित घरों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि भवानी सागर बांध के आधुनिकीकरण से 2 लाख एकड़ से अधिक भूमि की सिंचाई होगी और अनेक जिलों के किसानों को इस परियोजना से लाभ होगा। उन्होंने भारत के औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा योगदान देने के लिए तमिलनाडु की सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि 709 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्वदेशी रूप से विकसित है और इस परियोजना की लागत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

उन्होंने आगे कहा कि 7,800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक और 1,000 मेगावाट की ताप बिजली परियोजना तमिलनाडु के लिए बेहद फायदेमंद होगी। उन्होंने कहा कि उत्पादित बिजली में से 65 प्रतिशत से अधिक बिजली तमिलनाडु को दी जाएगी।

- **कुशल बंदरगाह भारत को आत्मनिर्भर बनाने और व्यापार के साथ-साथ रसद के लिए एक वैश्विक केन्द्र बनने में योगदान करते हैं**

वी.ओ. चिदम्बरनार बंदरगाह, थुथुकुडी से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में समुद्री व्यापार और बंदरगाह की प्रमुख भूमिका संबंधी विकास का शानदार इतिहास है। आज शुरू की गई परियोजनाएं बंदरगाह की कार्गो हैंडलिंग क्षमता को और मजबूत करेंगी और हरित बंदरगाह पहल में सहयोग करेंगी।

श्री मोदी ने कहा कि कुशल बंदरगाह भारत को आत्मनिर्भर बनाने और व्यापार के साथ-साथ रसद के लिए एक वैश्विक केन्द्र बनने में योगदान करते हैं। 2015-2035 की अवधि के दौरान कार्यान्वयन के लिए छह लाख करोड़ रुपये की कुल लागत वाली लगभग 575 परियोजनाओं की पहचान की गई है। ■

भारत और बांग्लादेश के बीच 'मैत्री सेतु' का उद्घाटन

'मैत्री सेतु' से बांग्लादेश में भी आर्थिक उन्नति के अवसर बढ़ेंगे

भारत और बांग्लादेश के बीच सम्पर्क से न केवल मित्रता प्रगाढ़ हो रही है, बल्कि व्यापार के लिए भी यह एक मजबूत कड़ी सिद्ध हो रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत और बांग्लादेश के बीच 'मैत्री सेतु' का उद्घाटन किया। उन्होंने त्रिपुरा में और भी कई विविध आधारभूत संरचनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। इस अवसर पर त्रिपुरा के राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। साथ ही इस अवसर पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच सम्पर्क से न केवल मित्रता प्रगाढ़ हो रही है, बल्कि व्यापार के लिए भी यह एक मजबूत कड़ी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस समूचे क्षेत्र को पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार गलियारे के रूप में विकसित किया जा रहा है।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि पिछले वर्षों के दौरान रेललाइनों और नदी जल मार्गों के जरिये परिवहन और सम्पर्क की पूरी हुई परियोजनाओं को इस सेतु से और ताकत मिली है। इससे त्रिपुरा के साथ-साथ दक्षिणी असम, मिजोरम और मणिपुर का बांग्लादेश और दक्षिण-पूर्व एशिया से परस्पर सम्पर्क में और बढ़ोतरी होगी। श्री मोदी ने कहा कि इस सेतु से बांग्लादेश में भी आर्थिक उन्नति के अवसर बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने इस सेतु परियोजना के पूरा होने में सहयोग देने के लिए बांग्लादेश सरकार और वहां के प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस सेतु के निर्माण के लिए आधारशिला उनकी पिछली बांग्लादेश यात्रा के दौरान रखी गई थी।

साथ ही, श्री मोदी ने कहा कि अब पूर्वोत्तर भारत के निवासियों को अब किसी भी प्रकार की आवश्यकता की पूर्ति के लिए केवल सड़क मार्ग पर निर्भर नहीं रहना होगा। उन्होंने कहा कि नदी के रास्ते वैकल्पिक मार्ग के रूप में बांग्लादेश के चिटगांव बन्दरगाह को पूर्वोत्तर भारत से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री मोदी ने बताया कि पिछले 6 वर्षों में केंद्र सरकार ने त्रिपुरा के विकास के लिए हर आवश्यकता का ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के लिए केन्द्रीय आवंटन में अच्छी खासी वृद्धि की गई है। केन्द्रीय विकास योजनाओं के लिए त्रिपुरा को 2009-2014 की अवधि में 3500 करोड़ रुपये मिले थे, जबकि 2014- 2019 की अवधि में राज्य को 12,000 करोड़ रुपये से अधिक उपलब्ध कराए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से दशकों पुरानी ब्रू शरणार्थी समस्या का समाधान हो पाया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 600 करोड़ रुपयों के पैकेज से ब्रू समुदाय के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन हो सकेंगे।

श्री मोदी ने त्रिपुरा की समृद्ध संस्कृति और साहित्य की सेवा में रत थांगा दारलोंग, सत्यराम रीआंग और बेनिचन्द्र जमातिया जैसी विभूतियों को सम्मानित करने का अवसर देने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बांस पर आधारित स्थानीय कलाओं को प्रधानमंत्री वन धन योजना के अंतर्गत प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय आदिवासियों को नए अवसर मिलेंगे। ■

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान, राष्ट्रीय भावना बन जाएगा: नरेन्द्र मोदी

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान एक भाव बन चुका है, जो आम जनों के दिलों में प्रवाहित हो रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में निर्मित उत्पादों पर गर्व करने को भारत की आत्मनिर्भरता की पहली शर्त करार देते हुए 28 फरवरी को कहा कि जब प्रत्येक देशवासी ऐसा करेगा, तो 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान सिर्फ एक आर्थिक अभियान ना रहकर 'राष्ट्रीय भावना' बन जाएगा।

उन्होंने विज्ञान को प्रयोगशाला से खेती-किसानी की ओर आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसे सिर्फ भौतिकी और रसायन तक सीमित नहीं किया जा सकता। श्री मोदी ने कहा कि विज्ञान की शक्ति का 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में भी बहुत योगदान है।

आकाशवाणी के 'मन की बात' कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि आज 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र देश के गांव-गांव में पहुंच रहा है। श्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भरता की पहली शर्त होती है– अपने देश की चीजों पर गर्व होना, अपने देश के लोगों द्वारा बनाई वस्तुओं पर गर्व होना। जब प्रत्येक देशवासी गर्व करता है और प्रत्येक देशवासी जुड़ता है तो 'आत्मनिर्भर भारत', सिर्फ एक आर्थिक अभियान न रहकर एक राष्ट्रीय भावना बन जाता है।

उन्होंने कहा कि जब आसमान में अपने देश में बने तेजस लड़ाकू विमानों को कलाबाजियां करते देखते हैं, जब भारत में बने टैंक, भारत में बनी मिसाइलें हमारा गौरव बढ़ाते हैं, जब समृद्ध देशों में हम भारत में निर्मित मेट्रो ट्रेन के डिब्बे देखते हैं और जब दर्जनों देशों तक भारत में बने कोरोना के टीके पहुंचते देखते हैं, तो देशवासियों का माथा और ऊंचा हो जाता है।

श्री मोदी ने कहा कि ऐसा ही नहीं है कि बड़ी-बड़ी चीजें ही भारत को आत्मनिर्भर बनाएंगी। भारत में बने कपड़े, भारत के प्रतिभाशाली कारीगरों द्वारा बनाए गए हस्तकला के सामान, भारत के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, भारत के मोबाइल, हर क्षेत्र में हमें इस गौरव को बढ़ाना होगा।

उन्होंने कहा कि जब इसी सोच के साथ देश आगे बढ़ेगा तभी सही मायने में भारत आत्मनिर्भर बन पाएगा। श्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि आत्मनिर्भर भारत का ये मंत्र देश के गांव-गांव में पहुंच रहा है।

देश में आत्मनिर्भर अभियान को गांवों में मिल रहे समर्थन के कुछ उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान एक भाव बन चुका है, जो आम जनों के दिलों में प्रवाहित हो रहा है।

महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि देश के अनगिनत वैज्ञानिक हैं जिनके योगदान के बिना विज्ञान आज इतनी प्रगति नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे वैज्ञानिकों की तरह देशवासियों को भारत के वैज्ञानिकों के बारे में भी जानना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं जरूर चाहूंगा कि हमारे युवा भारत के वैज्ञानिकों को और उनके इतिहास को समझें और खूब पढ़ें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब विज्ञान की बात होती है तो कई बार इसे लोग भौतिकी और रसायन या फिर प्रयोगशालाओं तक ही सीमित कर देते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि लेकिन विज्ञान का विस्तार तो इससे कहीं ज्यादा है और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' में विज्ञान की शक्ति का बहुत योगदान भी है। हमें विज्ञान को 'लैब टू लैंड' के मंत्र के साथ आगे बढ़ाना होगा।

उन्होंने कुछ किसानों के उदाहरण भी दिए जो वैज्ञानिक तौर तरीकों से खेती कर रहे हैं और ना सिर्फ अपनी आय बढ़ा रहे हैं, बल्कि अपनी पहचान भी स्थापित कर रहे हैं। कृषि अवशेषों से धन कमाने की दिशा में देश में हो रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने मदुरै के मुरुगेसन का जिक्र किया और बताया कि उन्होंने केले के अवशेषों से रस्सी बनाने की एक मशीन बनाई है।

उन्होंने कहा कि मुरुगेसन जी के इस नवोत्पाद से पर्यावरण और गंदगी का भी समाधान होगा तथा किसानों के लिए अतिरिक्त आय का रास्ता भी बनेगा। श्री मोदी ने कहा कि इन लोगों के बारे में देश को बताने का उनका मकसद इतना है कि लोग उनसे प्रेरणा लें।

उन्होंने कहा कि जब देश का हर नागरिक अपने जीवन में विज्ञान का विस्तार करेगा, हर क्षेत्र में करेगा, तो प्रगति के रास्ते भी खुलेंगे और देश आत्मनिर्भर भी बनेगा और मुझे विश्वास है कि ऐसा देश का हर नागरिक कर सकता है। श्री मोदी ने जल को जीवन के साथ ही आस्था का प्रतीक और विकास की धारा करार देते हुए देशवासियों से इसका संरक्षण करने का आह्वान किया।

पानी को पारस से भी ज्यादा महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोने में परिवर्तित हो जाता है वैसे ही पानी का स्पर्श जीवन और विकास के लिये जरूरी है।

श्री मोदी ने कहा कि पानी के संरक्षण के लिये हमें अभी से ही प्रयास शुरू कर देने चाहिए। आगामी 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है और इसे देश के नागरिकों को समझना होगा।

उन्होंने अपने आसपास के जलस्रोतों की सफाई और वर्षा जल के संचयन के लिये देशवासियों से 100 दिन का कोई अभियान शुरू करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा कि इसी सोच के साथ अब से कुछ दिन बाद जल शक्ति मंत्रालय द्वारा भी जल शक्ति अभियान- 'कैच द् रैन' भी शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का मूल मन्त्र है पानी जब भी और जहां भी गिरे, उसे बचाएं।

अपने संबोधन के दौरान श्री मोदी ने दुनिया की सबसे प्राचीन तमिल भाषा नहीं सीख पाने पर अफसोस जताया। साथ ही उन्होंने क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस और हॉकी की तरह विभिन्न भारतीय खेलों की कमेंट्री अलग-अलग भाषाओं में किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी बहुत छोटा और साधारण सा सवाल भी मन को झकझोर जाता है और सोचने पर मजबूर कर देता हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री हैदराबाद की एक अपर्णा रेड्डी का उल्लेख कर रहे थे जिन्होंने श्री मोदी से जानना चाहा था कि इतने लंबे समय तक गुजरात का मुख्यमंत्री और फिर देश का प्रधानमंत्री रहने के बाद क्या उन्हें कुछ कमी लगती है।

इस सवाल का जवाब देते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह सवाल बहुत सहज है लेकिन उतना ही मुश्किल भी। उन्होंने कहा कि मैंने इस सवाल पर विचार किया और खुद से कहा, मेरी एक कमी ये रही कि मैं दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा– तमिल सीखने के लिए बहुत प्रयास नहीं कर पाया। मैं तमिल नहीं सीख पाया। श्री मोदी ने कहा कि यह एक ऐसी सुंदर भाषा है, जो दुनियाभर में लोकप्रिय है।

गुजरात के केवड़िया स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के एक गाइड द्वारा भेजी गई क्लिप को साझा करते हुए श्री मोदी ने बताया कि वह संस्कृत में सरदार पटेल के बारे में लोगों को जानकारी देते हैं। उन्होंने संस्कृत में क्रिकेट कमेंट्री की एक क्लिप भी साझा की और कहा कि विभिन्न भारतीय खेलों की कमेंट्री अलग-अलग भाषाओं में की जानी चाहिए।

क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और टेनिस में होने वाली कमेंट्री से इन खेलों को लेकर पैदा होने वाले रोमांच के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जिन खेलों में कमेंट्री समृद्ध है, उनका प्रचार-प्रसार बहुत तेजी से होता है।

• जब देश का हर नागरिक अपने जीवन में विज्ञान का विस्तार करेगा, हर क्षेत्र में करेगा, तो प्रगति के रास्ते भी खुलेंगे और देश आत्मनिर्भर भी बनेगा और मुझे विश्वास है कि ऐसा देश का हर नागरिक कर सकता है

उन्होंने कहा कि हमारे यहां भी बहुत से भारतीय खेल हैं लेकिन उनमें कमेंट्री की संस्कृति नहीं है और इस वजह से वे लुप्त होने की स्थिति में हैं। श्री मोदी ने कहा कि क्यों न अलग-अलग खेलों और विशेषकर भारतीय खेलों की अच्छी कमेंट्री अधिक से अधिक भाषाओं में हो। हमें इसे प्रोत्साहित करने के बारे में जरूर सोचना चाहिए। मैं खेल मंत्रालय और निजी संस्थानों के सहयोगियों से इस बारे में सोचने का आग्रह करूंगा।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में स्कूल, कॉलेजों की परीक्षाओं का भी जिक्र किया और कहा कि हर साल की तरह इस वर्ष भी मार्च में वह परीक्षा पे चर्चा करेंगे। उन्होंने लोगों से कोरोना महामारी से सतर्कता में कोई ढिलाई नहीं बरतने का भी आग्रह किया और कहा कि एहतियात में ढिलाई देने का वक्त अभी नहीं आया है।

श्री मोदी ने संत रविदास की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी और कहा कि आज भी उनका ज्ञान हमारा पथप्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं को एक और बात संत रविदास जी से जरूर सीखनी चाहिए। युवाओं को कोई भी काम करने के लिये खुद को पुराने तौर तरीकों में बांधना नहीं चाहिए। आप, अपने जीवन को खुद ही तय करिए। ■

प्रधानमंत्री ने ली कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक मार्च को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक ली। श्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि मैंने आज एम्स में कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक ली है। यह उल्लेखनीय है कि हमारे डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत बनाने के लिए बहुत तेजी से काम किया है। मैं वैक्सीन लेने के सभी पात्र व्यक्तियों से वैक्सीन लेने का अनुरोध करता हूं। आइए, हम मिलकर भारत को कोविड-19 से मुक्त बनाएं।

देश में 3 करोड़ के करीब वैक्सीन के दिए गए डोज

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 13 मार्च की सुबह 7 बजे तक प्राप्त अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार देश में 4,86,314 सत्रों के जरिये 2.82 करोड़ (2,82,18,457) वैक्सीन के डोज लोगों को दिए जा चुके हैं।

इनमें 72,93,575 एचसीडब्ल्यू (पहली डोज), 41,94,030 एचसीडब्ल्यू (दूसरी डोज), 72,35,745 एफएलडब्ल्यू (पहली डोज) और 9,48,923 एफएलडब्ल्यू (दूसरी डोज), 45 वर्ष से अधिक आयु के अन्य रोगों से ग्रस्त 12,54,468 लाभार्थी (पहली डोज) और 60 वर्ष से अधिक आयु वाले 72,91,716 लाभार्थियों को दी गई डोज शामिल हैं। ■

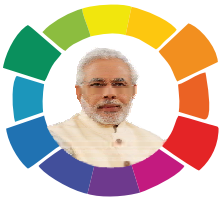

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

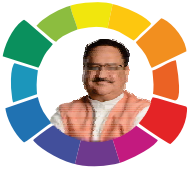

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में जन–औषधि दिवस समारोह के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये एनईआईजीआरआईएचएमएस (शिलांग) में 7500वें जन–औषधि केंद्र को राष्ट्र को समर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

केवड़िया (गुजरात) में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित कुछ नवाचारों का निरीक्षण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में अति विशाल 'ब्रिगेड परेड ग्राउंड रैली' में जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और अन्य भाजपा नेतागण

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में आयोजित भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में भारत–स्वीडन आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और स्वीडन राष्ट्र के प्रधानमंत्री महामहिम स्टीफन लोफवेन

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh @KamalSandesh

kamal.sandesh KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20

आवरण: अजय कुमार सिंह